राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 197 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शनिवार, 29 जनवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

अमित शाह ने रुद्रप्रयाग में चुनाव प्रचार किया

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में जनसंपर्क किया तथा कई चुनावी बैठकों को संबोधित करते हुए राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गईं विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भाजपा को एक बार फिर जनादेश देने की अपील की।

रुद्रप्रयाग में भाजपा जिला कार्यालय में रुद्रप्रयाग, श्रीनगर, कर्णप्रयाग, बदरीनाथ, केदारनाथ और थराली विधानसभा क्षेत्रों से वर्चुअल रूप से जुड़े पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2014, 2017 और 2019 के लोकसभा चुनावों में उत्तराखंड की जनता ने दिल खोलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आशीर्वाद दिया।

उन्होंने कहा, ''आपने हमारा काम देखा है। अब आपको एक बार फिर पांच साल के सुशासन के लिए भाजपा को वोट देना है जिससे यहां चल रहीं बड़ी परियोजनाएं पूरी हो सकें।''

गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के सैनिक लद्दाख से लेकर कच्छ तक बहुत वीरता और समर्पण के साथ देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं लेकिन अब लोकतंत्र के मोर्चे पर भी उन्हें वही समर्पण दिखाना होगा।

चारधाम 'आल वेदर' सड़क परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, केदारनाथ पुनर्निर्माण और बदरीनाथ मास्टर प्लान जैसी बड़ी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी परियोजनाओं में महत्वपूर्ण प्रगति हो चुकी है लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के आशीर्वाद वाली एवं युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए पूरे पांच साल का एक और कार्यकाल जरूरी है। पूर्ववर्ती हरीश रावत सरकार को ''घपलों, घोटालों, भ्रष्टाचार और स्टिंग ऑपरेशन'' की सरकार बताते हुए शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार के पांच साल के कार्यकाल में विपक्ष भी उसके खिलाफ भ्रष्टाचार का एक आरोप नहीं लगा पाया।

शाह शनिवार को मुजफ्फरनगर, सहारनपुर में करेंगे प्रचार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कैराना और मथुरा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब शनिवार को मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में घर-घर जाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे और प्रभावी मतदाता संवाद के कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे। भाजपा की ओर से आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी के मुताबिक शाह शनिवार को मुजफ्फरनगर के सदर विधानसभा में करीब सवा 11 बजे प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और उसके बाद स्थानीय हनुमान चौक में घर-घर जाकर संपर्क करेंगे।

इसके बाद शाह सहारनपुर देहात के गांव कोटा में प्रभावी मतदाता संवाद करेंगे और उसके बाद शाम साढ़े पांच बजे के करीब सहारनपुर के ही न्यू शारदा नगर में जन संपर्क अभियान करेंगे। शाह का जाट और अल्पसंख्यक बहुल मुजफ्फरनगर का दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा नेताओं को किसानों और जाटों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

विधायकों के चालू सत्र के शेष समय से अधिक निलंबन से लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावितः न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि सदन या विधानसभा के किसी सदस्य को चालू सत्र की शेष अवधि से ज्यादा के लिये निलंबित करने से कुल मिलाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी क्योंकि इससे मामूली बहुमत वाली या गठबंधन सरकार को अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दलों की संख्या में हेरफेर का अवसर मिल सकता है।

कथित तौर पर पीठासीन अधिकारी से दुर्व्यवहार के कारण महाराष्ट्र विधानसभा से एक साल के लिये निलंबित किए गए 12 भाजपा विधायकों की याचिकाओं पर अपने फैसले में न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि एक साल के लिये निलंबन निष्कासन, अयोग्यता या इस्तीफे से बद्तर है।

पीठ ने कहा, '' हमें इन रिट याचिकाओं को स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है और जुलाई 2021 में हुए संबंधित मानसून सत्र की शेष अवधि के बाद तक के लिए इन सदस्यों को निलंबित करने वाला प्रस्ताव कानून की नजर में असंवैधानिक, काफी हद तक अवैध और तर्कहीन है।''

पीठ ने कहा कि अत:, इस प्रस्ताव को कानून में निष्प्रभावी÷ घोषित किया जाता है, क्योंकि यह उस सत्र की अवधि के बाद तक के लिए था, जिसमें यह प्रस्ताव पारित हुआ था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जुलाई 2021 में शेष सत्र की अवधि समाप्त होने पर और उसके बाद विधानसभा के सदस्य होने के सभी लाभों को पाने के हकदार हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि चालू सत्र की शेष अवधि से अधिक के लिए निलंबन के कारण संबंधित सदस्य की अनावश्यक गैरमौजूदगी ÷बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्यों÷ का उल्लंघन होगी और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि विधानसभा में निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं किया जाएगा।

अपने 90 पन्नों के फैसले में पीठ ने कहा, ÷यह निष्कर्ष के लिये पर्याप्त है कि एक साल का निलंबन निष्कासन, अयोग्यता या इस्तीफा से भी बद्तर है - जहां तक सदन/विधानसभा के समक्ष प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचन क्षेत्र के अधिकार का संबंध है। पीठ ने कहा कि विधायिका में अपने सदस्यों को चालू सत्र की अवधि से परे निलंबित करने की शक्ति देने वाले किसी भी स्पष्ट प्रावधान के अभाव में, विधायिका की अंतर्निहित शक्ति को केवल आवश्यक सीमा तक और प्रासंगिक समय पर सदन के कार्यों के उचित अनुपालन के लिए ही लागू किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र विधानसभा नियमों के नियम 53 का उल्लेख किया, जो सदस्य के निष्कासन का आदेश देने की शक्ति से संबंधित है। पीठ ने कहा कि यह नियम न केवल एक सदस्य के निष्कासन के कठोर आदेश÷ को पारित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताता है, बल्कि क्रमिक तरीके से किए जाने वाले आत्म-सुरक्षा उपायों की पुष्ट आधारवाले अनुशासनात्मक कदम या तर्कसंगतता के बारे में भी बताता है।

एनसीसी रैली में प्रधानमंत्री ने सिख पगड़ी पहनी

नई दिल्ली। 73वें गणतंत्र दिवस के मौके पर ब्रह्मकमल से सुसज्जित उत्तराखण्ड की टोपी और मणिपुर का पारंपरिक गमछा 'लेंग्यान' धारण कर सभी का ध्यान आकर्षित करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की एक रैली में सिख पगड़ी पहनी।

राजधानी के करियप्पा मैदान में आयोजित एनसीसी की रैली में प्रधानमंत्री ने हरे रंग की पगड़ी पहनी, जिसपर लाल रंग का पंख लगा था। सिख कैडेट इस प्रकार की टोपी पहनते हैं।

राजपथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने पहुंचे मोदी ने उत्तराखंड और मणिपुर के पारंपरिक परिधानों के अभिन्न अंगों को धारण किया था। उन्होंने उत्तराखंड की टोपी और मणिपुर के लेंग्यान को प्राथमिकता दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया किप्रधानमंत्री जब भी केदारनाथ धाम जाते हैं, वह पूजा के लिए ब्रह्मकमल का ही उपयोग करते हैं। ब्रह्मकमल उत्तराखंड का राजकीय फूल है।

ज्ञात हो कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री की पगड़ियां चर्चा का विषय रहती हैं।

पिछले साल 72वें गणतंत्र दिवस पर मोदी ने गुजरात के जामनगर की विशेष टोपी पहनी थी जबकि स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने केसरी रंग का साफा पहना और इसका पिछला हिस्सा उनके गमछे के बॉर्डर के समान था।

उन्होंने 71वें गणतंत्र दिवस पर भगवा रंग की बंधेज पगड़ी पहनी थी। साल 2014 में स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर अपने पहले संबोधन के लिए वह गहरे लाल रंग का जोधपुरी बंधेज साफा बांधकर पहुंचे थे, जिसका पिछला हिस्सा हरा था।

साल 2015 में उन्होंने बहुरंगी साफा बांधा था और 2016 में लहरिया गुलाबी और पीले रंग का साफा बांधा था। प्रधानमंत्री ने 2017 में गहरे लाल और पीले रंग के मिश्रण वाली पगड़ी पहनी थी जिसमें सुनहरे रंग की धारियां थी। 2018 में वह भगवा रंग का साफा बांधकर लाल किले पहुंचे थे।

ऐसे अवसरों पर प्रधानमंत्री का साफा या उनकी पगड़ी जहां आकर्षण का केंद्र रहते हैं वहीं इनमें एक संदेश भी निहित होते हैं।

उत्तराखंड और मणिपुर के साथ पंजाब में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। मणिपुर में दो चरणों में मतदान होना होना हैं वहीं उत्तराखंड और पंजाब में एक चरण में मतदान होगा।

भारतीय संगीत को दुनियाभर में फैलाएं: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों से भारतीय संगीत को दुनिया में लेकर जाने का आग्रह करते हुए इस क्षेत्र में संगीत आधारित स्टार्ट-अप बनाकर प्रौद्योगिकी को अपनाने का आह्वान किया।

पंडित जसराज सांस्कृतिक प्रतिष्ठान की शुरुआत के अवसर पर एक डिजिटल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि संगीत की दुनिया में प्रौद्योगिकी ने व्यापक पहुंच बनाई है। पंडित जसराज की 92वीं जयंती पर यह आयोजन किया गया था।

मोदी ने कहा, ''सांस्कृतिक प्रतिष्ठान से मेरा आग्रह होगा कि वह विशेष रूप से दो चीजों पर ध्यान केंद्रित करे। हम वैश्वीकरण की बात सुनते हैं, लेकिन इसकी व्याख्या और इस पर वार्ता मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था तक ही सीमित रहती है। वैश्वीकरण के इस युग में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि भारतीय संगीत अपनी छाप छोड़े और इसका वैश्विक प्रभाव हो।''

उन्होंने कहा, ''भारतीय संगीत में लोगों के मानस पर गहराई से असर करने की क्षमता है। यह प्रकृति और ईश्वरीय एकात्मकता के अनुभव को मजबूत भी करती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारत की इस विरासत से पूरी दुनिया लाभान्वित हुई है।

सत्ता में आए तो सरकारी पदों पर भर्ती को कारगर बनाने के लिए गठित होगा विशेष आयोग: प्रियंका

नई दिल्ली/लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी अगर उत्तर प्रदेश की सत्ता में आती है तो सभी खाली सरकारी पदों पर चयन प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए एक विशेष भर्ती आयोग का गठन किया जाएगा।

उन्होंने नई दिल्ली में युवाओं के एक समूह के साथ संवाद के दौरान उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागों में भर्ती की स्थिति पर चर्चा की।

प्रियंका गांधी ने युवाओं से कहा, ''जातिवादी और सांप्रदायिक राजनीति से जनता को कोई फायदा नहीं होगा। इससे आपको रोजगार नहीं मिलेगा। इससे आपके लिए कोई शिक्षण संस्थान नहीं बनेगा। ये लोग 70 साल, 70 साल करते हैं, लेकिन आज तक जो संस्थान बने हैं, वे सब कांग्रेस ने बनाए हैं।''

उन्होंने यह घोषणा की, ''कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि सभी भर्ती का कैलेंडर जारी किया जाए और उसका पालन किया जाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा आयोजित की जाए और परिणाम एक निर्धारित तिथि पर घोषित किए जाएं।''

प्रियंका गांधी ने यह भी कहा, भर्ती प्रक्रिया भी छह महीने के भीतर की जाएगी। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो एक विशेष भर्ती आयोग का गठन किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''भाजपा चुनाव के समय रोजगार की बात क्यों नहीं करती? क्योंकि उनके पास कहने को कुछ नहीं है। कुछ किया भी नहीं और न करने का इरादा है।''

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, ''देश में ऐसी राजनीति हो रही है जो चुनाव के समय आपको बहकाने का काम करती है। चुनाव के समय बात होनी चाहिए कि नौकरी कहां से दोगे, मेरी शिक्षा के लिए क्या करोगे? मेरे बच्चों के भविष्य के लिए क्या करोगे? विकास की बात होनी चाहिए।''

प्रियंका गांधी ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रयागराज में पुलिसकर्मियों द्वारा छात्रों पर बल प्रयोग किए जाने की भी आलोचना की।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 'भर्ती विधान- युवा घोषणापत्र' जारी किया है जिसमें सरकारी और निजी क्षेत्र में कुल 20 लाख नौकरियों के सृजन का वादा किया गया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सात चरणों में होगा। पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को और सातवें एवं अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा। 10 मार्च को मतगणना होगी।

सपा अपने काम के आधार पर कभी वोट मांगने नहीं आई : जेपी नड्डा

शाहजहांपुर (उप्र)। भाजपा अध्यक्ष जेपी ड्डा ने शुक्रवार को विपक्षी दलों- समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया तथा अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र व राज् य सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

नड्डा ने कहा, समाजवादी पार्टी काम के आधार पर वोट मांगने कभी नहीं आई, वह तो हर बार चुनाव में नए वादे करती है और आगे बढ़ जाती है, परंतु भारतीय जनता पार्टी रिपोर्ट कार्ड के आधार पर ही आगे बढ़ी है।

नड्डा ने शुक्रवार को यहां प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूछा कि क्या समाजवादी पार्टी (सपा) 2017 में काम के आधार पर वोट मांगने आई थी। उन्होंने कहा, हर बार सपा चुनाव के वक्त नए-नए वादे करके आती है और बाद में आगे बढ़ जाती है परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिखाया है कि हमारी पार्टी रिपोर्ट कार्ड के आधार पर ही आगे बढ़ेगी और भाजपा ने जो कहा है वह करके भी दिखाया है।

बिना कारण बताए मेरे हेलीकॉप्टर को रोका गया, यह भाजपा की साजिश: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि बिना कोई कारण बताए उनके हेलीकॉप्टर को दिल् ली में रोककर रखा गया जिससे वह चुनाव संबंधी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए मुजफ्फरनगर नहीं जा पाने के कारण दिल्ली में फंसे हैं। हालांकि बाद में उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि वह उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

अखिलेश ने शुक्रवार को ट्वीट किया ''मेरे हेलीकॉप्टर को बिना किसी कारण बताए दिल्ली में रोककर रखा गया है और मुजफ्फरनगर नहीं जाने दिया जा रहा है। जबकि भाजपा के एक शीर्ष नेता ने अभी यहाँ से उड़ान भरी है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''हारती हुई भाजपा की ये हताशा भरी साजिश है।''

इसके बाद अखिलेश ने एक और ट्वीट करते हुए कहा, सत् ता का दुरुपयोग हारते हुए लोगों की निशानी है-- समाजवादी संघर्ष के इतिहास में ये दिन भी दर्ज होगा। उन्होंने कहा, ''हम जीत की ऐतिहासिक उड़ान भरने जा रहे हैं।''

इस ट्वीट के साथ उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की। इससे पहले के ट्वीट में भी अखिलेश ने अपनी एक तस् वीर पोस् ट की जिसकी पृष्ठभूमि में हेलीकॉप्टर दिखाई देता है।

बाद में, अखिलेश यादव राष् ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी के साथ साझा संवाददाता सम्मेलन करने मुजफ्फरनगर पहुंच गए।

दीव प्रशासन को सौंपा गया युद्धपोत आईएनएस खुकरी, अब संग्रहालय में बदलेगा

- म्यूजियम के रूप जिन्दा रहकर आदर्श वाक्य से लोगों को प्रेरित करता रहेगा सेवामुक्त जहाज
- प्रशासक पटेल को सेवा के दौरान जहाज की उपलब्धियों और क्षमताओं के बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली। बत्तीस साल की शानदार सेवा के बाद भारतीय नौसेना से सेवामुक्त हुआ स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस खुकरी औपचारिक रूप से दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव प्रशासन को सौंप दिया गया। अब इसे एक संग्रहालय में बदलकर खुकरी मेमोरियल में रखा जायेगा। यहां पर यह जहाज म्यूजियम के रूप एक बार फिर जिन्दा रहकर अपने आदर्श वाक्य से लोगों को प्रेरित करता रहेगा। स्वदेश निर्मित मिसाइल कार्वेट में से पहला मिसाइल फिटेड जहाज आईएनएस खुकरी नौसेना के पश्चिमी और पूर्वी बेड़े का हिस्सा रहा है।

मिसाइल कार्वेट आईएनएस खुकरी को तत्कालीन रक्षामंत्री श्रीकृष्ण चंद्र पंत ने 23 अगस्त, 1989 को नौसेना में शामिल किया था। इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने किया था। दिवंगत कैप्टन महेंद्र नाथ मुल्ला की पत्नी सुधा मुल्ला और संजीव भसीन को जहाज का पहला कमांडिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया था। बाद में संजीव भसीन वाइस एडमिरल के पद से सेवानिवृत्त हुए। 32 साल तक राष्ट्र की गौरवशाली सेवा के दौरान जहाज की कमान 28 कमांडिंग ऑफिसरों ने संभाली। जहाज ने सेवा के दौरान 6,44,897 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 30 गुना के बराबर है।

जहाज को राष्ट्र की 32 साल तक गौरवशाली सेवा करने के बाद 23 दिसंबर, 2021 को एक समारोह में रिटायर कर दिया गया। विशाखापत्तनम में आयोजित समारोह में नौसेना की परंपरा को निभाते हुए सूर्यास्त होते ही राष्ट्रीय ध्वज और नौसेना पताका उतारकर जहाज को सेवा से विदाई दी गई। पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल बिस्वजीत दासगुप्ता समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर जहाज के कुछ सेवारत और सेवानिवृत्त पूर्व कमांडिंग अधिकारी भी उपस्थिति रहे। यह जहाज भारतीय सेना के गोरखा ब्रिगेड से संबद्ध था। गोरखा ब्रिगेड के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल पीएन अनंतनारायण भी विदाई समारोह में शामिल हुए।

...ताकि जिन्दा रहे आईएनएस खुकरी

भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस खुकरी का पूरा नाम इंडियन नेवल शिप खुकरी था। इस पोत को 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 9 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तानी पनडुब्बी पीएनएस हेंगोर ने तारपीडो से नष्ट कर दिया था। यह जहाज दीव के समुद्र तट से 40 नॉटिकल मील की दूरी पर 18 अधिकारियों और 176 नाविकों सहित डूब गया था। आईएनएस खुकरी की जल समाधि के बाद भारतीय नौसेना ने 48 घंटों के भीतर ही कराची के बंदरगाह पर कब्जा करके पाकिस्तान से बदला ले लिया था। इसी आईएनएस खुकरी के नाम को जिन्दा रखने के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने मिसाइल कार्वेट आईएनएस खुकरी का निर्माण किया था।

अंडमान निकोबार कमान ने अत्याधुनिक हल्के हेलीकाप्टर एमके-3 को शामिल किया

नई दिल्ली। अंडमान निकोबार कमान ने स्वदेश विकसित अत्याधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर एमके-3 को पोर्ट ब्लेयर स्थित भारतीय नौसेना के उत्क्रोश अड्डे पर सेवा में शामिल किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह बताया।

बयान में कहा गया है, ''हेलीकॉप्टर को शामिल किया जाना पिछले दो दशकों में अंडमान निकोबार कमान के भारत के संयुक्त थियेटर कमान के तौर पर इसकी ताकत में वृद्धि जारी रहने को प्रदर्शित करता है।''

मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि एमके-3 हेलीकॉप्टर का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने किया है। इसमें कहा गया है कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सरकार के जोर देने की तर्ज पर सैन्य विमान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर एक बड़े कदम को प्रदर्शित करता है।

बयान में कहा गया है, ''आज की तारीख तक, इस श्रेणी के 300 से अधिक विमानों की एचएएल ने आपूर्ति की है और सशस्त्र बल उनका उपयोग कर रहे हैं।''

बयान में कहा गया है कि अपने स्वरूपों में, एमके-3, समुद्री भूमिका वाला प्रारूप है जो अत्याधुनिक सेंसर और हथियारों से लैस है।

इसमें कहा गया है कि इस विमान के पास विविध भूमिका निभाने की क्षमताएं हैं, जिनमें समुद्री निगरानी, विशेष बलों को सहयोग, मेडिकल सहायता पहुंचाने के अलावा तलाश एवं बचाव अभियान शामिल हैं।

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिलकर चंद्रमा की सतह की खोज के लिए वाहन बना रही है 'टोयोटा'

तोक्यो। 'टोयोटा' कंपनी जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिलकर चंद्रमा की सतह की खोज के लिए एक वाहन पर काम कर रही है। कंपनी के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इसका उद्देश्य, 2040 तक लोगों को चंद्रमा पर रहने में मदद करना है और फिर उसके बाद मंगल पर जाने की योजना है।

इस वाहन का नाम टोयोटा की एसयूवी 'लैंड क्रूज़र' के नाम पर 'लूनर क्रूज़र' रखा गया है और इसका निर्माण 'जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी' के साथ मिलकर किया जा रहा है। इस वाहन को दशक के अंत तक प्रक्षेपित करने की योजना है।

'टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन' की 'लूनर क्रूज़र' परियोजना के प्रमुख ताकाओ सातो ने कहा कि जिस प्रकार लोग कार में बैठकर सुरक्षित तरीके से खाना-पीना, काम करना, सोना और बातें कर सकते हैं उसी प्रकार बाह्य अंतरिक्ष में भी किया जा सके, इस परिकल्पना के साथ उक्त वाहन का निर्माण किया जा रहा है।

स्पेन में एक घंटे में 4 बार भूकंप के झटके लगे

मैड्रिड। स्पेन के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र गैलिसिया में एक घंटे के अंदर 4 बार भूकंप के झटके लगे। यह जानकारी देश के नेशनल ज्योग्राफिक इंस्टीट्यूट (आईजीएन) ने दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईजीएन के मुताबिक, पहली घटना दोपहर 2.57 बजे हुई। गुरुवार को और रिक्टर पैमाने पर 3.7 मापा गया। इसके बाद दोपहर 3.44 बजे 4.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसे तट के किनारे के निवासियों और पोंटेवेदरा और विगो जैसे शहरों में महसूस किया गया था।

फिर अगले 13 मिनट में रिक्टर पैमाने पर 1.9 और 2.5 की तीव्रता वाले दो और हल्के झटके महसूस किए गए।

आईजीएन ने कहा कि भूकंप का केंद्र लगभग 3 किमी की गहराई के साथ क्षेत्र के पश्चिमी तट से दूर अटलांटिक महासागर में स्थित था।

उत्तर कोरिया ने सप्ताह की शुरूआत में किया क्रूज और सामरिक मिसाइल का परीक्षण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल और सतह से सतह मारक क्षमता वाली सामरिक मिसाइल (एसएसएम) का परीक्षण किया है। योनहप न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को रिपोर्ट में यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया की क्रूज मिसाइलों ने 9.137 सेकंड की उड़ान भरी और प्रक्षेपण स्थल से लगभग 1800 किलोमीटर यानी 1100 मील से अधिक दूरी तक अपना लक्ष्य साधा। उत्तर कोरिया ने इस महीने की शुरुआत में कथित हाइपरसोनिक मिसाइलों सहित छह मिसाइल का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने गुरुवार सुबह एक मिसाइल का परीक्षण किया जो जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरी। इससे पहले मंगलवार को भी मिसाइल परीक्षण किया गया था। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने प्योंगयांग के मिसाइल परीक्षण की बार-बार निंदा की है और कहा कि उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण कार्यक्रम सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है और क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा को कमजोर कर रहा है।

पाकिस्तान में कोरोना का कोहराम

एक दिन में सामने आए रिकॉर्ड नए मरीज, बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते चौबीस घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण के 8183 मामले सामने आए। ये मुल्क में एक दिन में दर्ज सर्वाधिक मामले थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले कुल मरीजों की संख्या 14,02,070 पर पहुंच गई है, जबकि बीते चौबीस घंटों में 30 अतिरिक्त मौतों से मृतकों की तादाद बढ़कर 29,192 हो गई।

एजेंसी के अनुसार, देश में दैनिक संक्रमण दर 12 फीसदी आंकी गई है। वहीं, कराची जैसे कई बड़े शहरों में यह 20 प्रतिशत से ज्यादा पाई गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मुल्क में अब तक 12,74,657 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं, लेकिन 1353 मरीजों की हालत बेहद गंभीर है।

आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में फिलहाल आठ करोड़ से ज्यादा लोगों का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं, लगभग 22 लाख पाकिस्तानियों को 'बूस्टर खुराक' लगाई जा चुकी है।

फ्लॉयड हत्या मामले में अभियोजकों ने पुलिस के बल प्रयोग प्रशिक्षण की जांच की

सेंट पॉल (अमेरिका)। अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में तीन पूर्व पुलिस अधिकारियों के खिलाफ संघीय अदालत में चल रही सुनवाई के दौरान अभियोजकों ने बल के इस्तेमाल को लेकर पुलिस

विभाग के प्रशिक्षण की जांच की है। अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने फ्लॉयड के नागरिक अधिकारों का हनन किया था।

पुलिस विभाग की प्रशिक्षण शाखा की कमांडर केटी ब्लैकवेल ने बृहस्पतिवार को गवाही दी कि अधिकारियों को जरूरत पड़ने पर कम से कम बल प्रयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि अनुचित बल प्रयोग के खिलाफ हस्तक्षेप करना उनका कर्तव्य है।

संघीय अभियोजकों ने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी जे. एलेक्जेंडर क्रेंग, थॉमस लेन और टोउ थाओ फ्लॉयड की जान बचाने में नाकाम रहे।

गौरतलब है कि 25 मई 2020 को पुलिस अधिकारियों की हिरासत में अफ्रीकी-अमेरिकी फ्लॉयड की मौत हो गई थी। घटना के दौरान पुलिस अधिकारी डेरेक शॉविन ने फ्लॉयड को जमीन पर पटककर उनकी गर्दन पर अपना घुटना रख लिया था। फ्लॉयड के हाथों में हथकड़ी लगी थी। क्रेंग ने फ्लॉयड की पीठ जबकि लेन ने पैर पकड़ रखे थे। वहीं थाओ राहगीरों को पीछे भेज रहा था। इस दौरान सांस लेने में तकलीफ के चलते फ्लॉयड की मौत हो गई थी।

'पार्टीगेट' की आपराधिक जांच पूरी होने तक संबद्ध रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की जाए : ब्रिटिश पुलिस

लंदन, 28 जनवरी (वेब वार्ता)। लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाली ब्रिटिश सरकार की भागीदारी वाले कार्यक्रमों पर एक प्रमुख रिपोर्ट के प्रकाशन के समय को लेकर शुक्रवार को संशय और गहरा गया। दरअसल, पुलिस ने कहा कि वह चाहती है कि रिपोर्ट के कुछ हिस्सों को तब तक प्रकाशित नहीं किया जाए, जब तक कि वह मामले में आपराधिक जांच पूरी नहीं कर लेती है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि उसने लोक सेवक सू ग्रे की रिपोर्ट इसलिए मांगी थी कि जासूसों द्वारा की जा रही जांच के लिये न्यूनतम संदर्भ मिल सके और ऐसा हमारी जांच के किसी भी तरह के पूर्वाग्रह से बचने के लिये था। यह अनुरोध रिपोर्ट के प्रकाशन में और देरी कर सकता है, जो इस सप्ताह अपेक्षित थी। ग्रे के निष्कर्ष प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सत्ता पर कमजोर पकड़ को एक बड़ा झटका दे सकते हैं।

वरिष्ठ लोक सेवक इन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री और उनके कर्मचारियों ने 2020 और 2021 में देश में कोरोनो वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों का अपनी खुद की शराब लाओ÷, कार्यालय पार्टी, जन्मदिन समारोह और वाइन टाइम फ्राइडे÷ जैसे उत्सवों के जरिए उल्लंघन किया।

इन दावों के चलते लोगों में रोष व्याप्त हो गया है। कुछ रूढ़िवादी सांसदों ने जॉनसन के इस्तीफे की मांग की और सत्ताधारी दल में अंदरूनी खींचतान बढ़ गई है। ।

यूक्रेन को नाटो में शामिल न करने की रूसी मांग अमेरिका ने ठुकराई

वाशिंगटन । यूक्रेन को लेकर अमेरिका सहित नाटो के सदस्य देशों और रूस के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब यूक्रेन को नाटो में शामिल न करने की रूस की मांग अमेरिका व नाटो देशों ने ठुकरा दी है।

रूस ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए यूक्रेन को नाटो में शामिल न करने का आग्रह किया था। रूस की मांग ठुकराए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

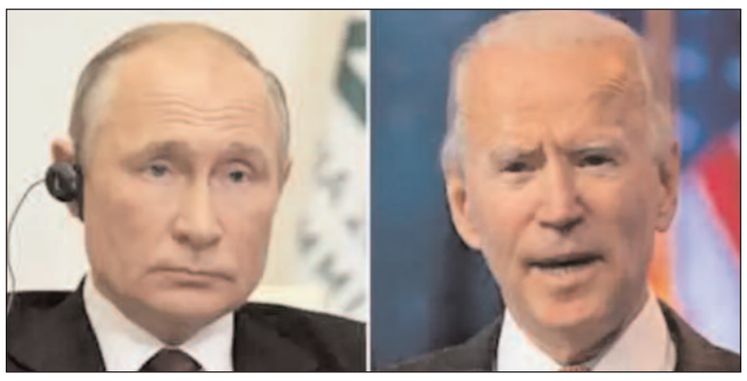

तनाव और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

यूक्रेन के मसले पर रूस और नाटो देशों सहित अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस समय यूक्रेन को एक लाख से ज्यादा रूसी सेना ने तीन तरफ से घेर रखा है। रूसी घेराबंदी और यूक्रेन पर हमले की आशंका के बीच पिछले दिनों जिनेवा में रूस और अमेरिका के बीच इस मसले पर हुई वार्ता में रूसी उप विदेश मंत्री रायबाकोव ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन के सामने एक शर्त रखी थी। इस शर्त में रूस ने कहा था कि अमेरिका व अन्य नाटो देश यूक्रेन को नाटो का हिस्सा न बनाएं। रूस के नेताओं का कहना था कि वे अमेरिका के साथ इस समस्या का स्थायी व स्पष्ट समाधान चाहते हैं।

दरअसल, रूस नाटो सेनाओं को अपने दरवाजे से दूर रखना चाहता है। अमेरिका ने तब तो यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के बारे में कोई वादा नहीं किया था। अब इस मामले में अमेरिका व नाटो देशों का पक्ष सामने आया है। अमेरिका ने रूस की इस बात को मानने से इनकार कर दिया है कि यूक्रेन को नाटो का हिस्सा न बनाया जाए।

रूस के राज्य कोरोनावायरस टास्क फोर्स ने शुक्रवार को पिछले 24 घंटों में 98,040 नए संक्रमण दर्ज किए

तुर्की और पाकिस्तान मिलकर अरब सागर में बनाएंगे अंतरिक्षतट

इस्लामाबाद ।

मुफलिसी का शिकार पाकिस्तान अब अंतरिक्ष से जुड़ाव की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तान ने अब तुर्की के साथ मिलकर अरब

सागर में अंतरिक्षतट (स्पेसपोर्ट) बनाने की तैयारी की है। दोनों देशों के बीच इसके वित्तपोषण पर चर्चा चल रही है।

भारत के साथ तल्ख रिश्तों के बीच पाकिस्तान ने तुर्की के साथ अपने रिश्ते लगातार मजबूत किए हैं। पाकिस्तान लगातार तुर्की से हथियार भी खरीद रहा है। तुर्की पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाले देशों में अभी चौथे स्थान पर है। माना जा रहा है कि तुर्की व पाकिस्तान के बीच जिस तेजी से रक्षा संबंध बढ़ रहे हैं, उससे वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान अपने आधे से अधिक हथियार तुर्की से ही खरीदेगा। 2018 में तुर्की की सरकारी स्वामित्व वाली डिफेंस कॉन्ट्रैक्टर फर्म के साथ पाकिस्तान मिलिट्री ऑफ टेक्नोलॉजी ने मैग्नम परियोजना के तहत एडा क्लास के चार युद्धपोतों के लिए करार किया था। इसके अलावा पाकिस्तान ने तुर्की के साथ 30 टी-129 अटैक हेलिकॉप्टरों की खरीद का सौदा भी किया है।

हथियारों की इस सौदेबाजी के बीच पाकिस्तान और तुर्की अब अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भी हाथ मिलाने जा रहे हैं। अब दोनों देशों ने अरब सागर के पाकिस्तानी क्षेत्र में अंतरिक्षतट (स्पेसपोर्ट) बनाने की तैयारी की है। इस पर 80 करोड़ डॉलर के आसपास खर्च आने की उम्मीद है। अब दोनों देश इस खर्च के बंटवारे पर विचार विमर्श कर रहे हैं। तुर्की व पाकिस्तान के बीच इस अंतरिक्षतट निर्माण के वित्त पोषण को अंतिम रूप दिये जाते ही इस परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा।

अमेरिका-कनाडा सीमा के पास मृत मिले भारतीय परिवार की पहचान हुई

न्यूयॉर्क/टोरंटो।

अमेरिका-कनाडा सीमा के पास मृत मिले चार भारतीय नागरिकों के परिवार की पहचान हो गई है। कनाडा के अधिकारियों ने बताया कि परिवार कुछ समय से देश में था और उन्हें कोई सीमा पर ले गया था। मामला मानव तस्करी का प्रतीत होता है।

मैनिटोबा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान जगदीश बलदेवभाई पटेल (39), वैशालीबेन जगदीशकुमार पटेल (37), विहंगी जगदीशकुमार पटेल (11) और धार्मिक जगदीशकुमार पटेल (3) के तौर पर हुई है। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य थे, जो 19 जनवरी को कनाडा-अमेरिका सीमा से लगभग 12 मीटर दूर मैनिटोबा के इमर्सन के पास मृत मिले थे।

अधिकारियों ने पहले बताया था कि परिवार में एक वयस्क पुरुष, एक वयस्क महिला, एक किशोर और एक शिशु शामिल हैं, लेकिन

अब मृतकों में एक किशोर की जगह किशोरी के होने की बात सामने आई है।

कनाडा के अधिकारियों ने मृतकों की पहचान की पुष्टि की और 26 जनवरी को शवों का पोस्टमार्टम पूरा किया गया।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि मैनिटोबा के मुख्य चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय ने पुष्टि की है कि मौत ठंड की चपेट में आने से हुई।

कनाडा के ओटावा में स्थित भारत के उच्चायोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में मृतकों की पहचान की पुष्टि की और बताया कि उनके परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है।

टोरंटो में भारत का महावाणिज्य दूतावास मृतक के परिवार के सम्पर्क में है और सभी वाणिज्यि स्तर की सहायता प्रदान की जा रही है। उसने एक बयान में कहा, '' उच्चायोग पीड़ितों के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।''

आरसीएमपी ने पटेल परिवार के 12 जनवरी 2022 को टोरंटो पहुंचने और वहां से 18 जनवरी के आसपास इमर्सन जाने की पुष्टि भी की है।

आरसीएमपी ने बयान में कहा, '' मौके से कोई वाहन बरामद नहीं हुआ है, जिससे प्रतीत होता है कि कोई परिवार को सीमा तक लाया था और फिर वहीं छोड़कर चला गया।''

उसने कहा, '' कनाडा में उनकी गतिविधियों और अमेरिका में जो गिरफ्तारी हुई है, उससे यह मामला मानव तस्करी का लगता है।''

टोरंटो में भारतीय उच्चायोग और भारतीय वाणिज्य दूतावास इस घटना की जांच के सभी पहलुओं पर कनाडा के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अमेरिका के मिनेसोटा जिले में पिछले हफ्ते 'यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' में 47 वर्षीय अमेरिकी नागरिक स्टीव शैंड के खिलाफ एक आपराधिक मामला दायर किया गया था। शैंड पर मानव तस्करी का आरोप लगाया गया है।

शैंड ''बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों की मदद करने वाला संदिग्ध तस्कर है''। अमेरिकी अधिकारियों ने उसे 19 जनवरी को अमेरिका-कनाडा सीमा के पास से गिरफ्तार किया था। उसे दो भारतीय नागरिकों को ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे।

शैंड को जिस दिन गिरफ्तार किया गया था, उसी दिन अमेरिकी सीमा गश्त अधिकारियों को रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस से एक रिपोर्ट मिली थी कि पटेल परिवार के सदस्यों के शव अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कनाडा की ओर के हिस्से में जमे हुए मिले हैं। शैंड को सशर्त तथा बिना किसी बॉन्ड के रिहा कर दिया गया है।

पद्म भूषण पुरस्कार मिलना सम्मान की बात है 9 माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला

न्यूयॉर्क (अमेरिका)।

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके लिए भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण प्राप्त करना सम्मान की बात है और वह भारत के लोगों के साथ काम करते रहना चाहते हैं, ताकि उन्हें प्रगति करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद मिल सके।

भारत सरकार ने देश के 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नडेला, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और टाटा समूह के अध्यक्ष नटराजन चंद्रशेखरन को पद्म भूषण देने की घोषणा की थी।

नडेला ने ट्वीट किया, ''पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त करना और इतने सारे असाधारण लोगों के साथ पहचाना जाना सम्मान की बात है। मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत

के लोगों का शुक्रगुजार हूं... भारत के लोगों के साथ काम करते रहने के लिए तत्पर हूं, ताकि अधिक प्रगति के वास्ते प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में उनकी मदद कर पाऊं।''

हैदराबाद में जन्मे नडेला (54) को फरवरी 2014 में माइक्रोसॉफ्ट का सीईओ बनाया गया था। जून 2021 में उन्हें कम्पनी का अध्यक्ष भी नामित किया गया। इस अतिरिक्त भूमिका में वह ''बोर्ड के लिए एजेंडा निर्धारित करने के काम का नेतृत्व करेंगे।''

देश के 73वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को डिजिटल समारोह के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा था कि इस वर्ष, तीन विशिष्ट प्रवासी भारतीय सदस्यों को पद्म भूषण सम्मान के लिए चुना गया है जिनमें भारतीय व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने के लिए मधुर जाफरी, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नेतृत्व के लिए सत्य नडेला और सुंदर पिचाई शामिल हैं।

बीटिंग रिट्रीट समारोह में पहली बार 1000 स्वदेशी ड्रोन से जगमगाएगा आसमान

ड्रोन लाइट शो से आकाश में 75 सरकारी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा

भारतीय उत्साह के साथ मार्शल संगीत की धुनें इस साल समारोह की खास होंगी

नई दिल्ली। दिल्ली के विजय चौक पर 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में पहली बार 1, 000 स्वदेशी ड्रोन से आसमान जगमगाएगा। 10 मिनट के इस ड्रोन लाइट शो के जरिए आकाश में 75 सरकारी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा मेक इन इंडिया, आजादी का अमृत महोत्सव जैसे अभियानों को ड्रोन के जरिए आसमान में दर्शाया जायेगा। बीटिंग रिट्रीट समारोह में पहली बार लेजर शो का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय उत्साह के साथ मार्शल संगीत की धुनें इस साल समारोह की खास होंगी। भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बैंड कुल 26 धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसकी शुरुआत वीर सैनिक की धुन बजाते हुए मास बैंड से होगी। इसके बाद पाइप्स एंड ड्रम बैंड, सीएपीएफ बैंड, एयर फोर्स बैंड, नेवल बैंड, आर्मी मिलिट्री बैंड और मास बैंड होंगे। समारोह के मुख्य कंडक्टर कमांडर विजय चार्ल्स डीक्रूज होंगे। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए समारोह में कई नई धुनें जोड़ी गई हैं। इनमें केरल, हिंद की सेना और ऐ मेरे वतन के लोग शामिल हैं। इस कार्यक्रम का समापन सारे जहां से अच्छा... लोकप्रिय धुन के साथ होगा।

इस साल के बीटिंग द रिट्रीट का प्रमुख आकर्षण नया ड्रोन शो होगा, जिसे आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह का हिस्सा बनाया गया है। ड्रोन शो का आयोजन स्टार्टअप बोटलैब डायनेमिक्स भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से करेगा। दस मिनट के शो में 1, 000 स्वदेशी ड्रोन शामिल होंगे। ड्रोन शो के दौरान सिंक्रोनाइड बैकग्राउंड म्यूजिक भी बजाया जाएगा। समारोह के अंत से पहले स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रोजेक्शन मैपिंग शो भी होगा। लगभग 3-4 मिनट की अवधि के इस शो को नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस शो को मेक इन इंडिया पहल के तहत डिजाइन, निर्मित और कोरियोग्राफ किया गया है।

गणतंत्र दिवस परेड की तरह ही बीटिंग द रिट्रीट समारोह के लिए पर्यावरण के अनुकूल निमंत्रण पत्र तैयार किए गए हैं। कार्ड को अश्वगंधा, एलोवेरा और आंवला के औषधीय पौधों के बीजों से तैयार किया गया है। लोगों को इसे अपने बगीचों, फूलों के गमलों में लगाने और सदियों पुराने औषधीय लाभों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बीटिंग द रिट्रीट उस समय से सदियों पुरानी सैन्य परंपरा है, जब सूर्यास्त के समय बिगुलरों के पीछे हटने की आवाज देते ही सैनिक अपने हथियार बंद करके युद्ध से अलग हो जाते थे। यही कारण है कि पीछे हटने की आवाज के दौरान अभी भी खड़े होने की प्रथा आज तक बरकरार रखी गई है। रंग और मानक आवरण वाले झंडे सैनिकों के पीछे हटने पर उतारे जाते हैं।

ड्रमबीट्स उन दिनों को याद करते हैं जब शाम को नियत समय पर कस्बों और शहरों में सैनिकों को उनके क्वार्टर में वापस बुला लिया जाता था। इन सैन्य परंपराओं के आधार पर बीटिंग द रिट्रीट समारोह बीते समय की पुरानी यादों का माहौल बनाता है। सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति देखेंगे।

दिल्ली को अपराधमुक्त बनाने वाले केजरीवाल के शासन में दिल्ली रेप केपिटल बन गई: चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने यमना पार कस्तूरबा नगर में बलात्कार पीड़िता से मुलाकात करने के बाद कहा कि भ्रष्टाचार और बलात्कार पीड़िता को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ने का आंदोलन करके दिल्ली की सत्ता हथियाने वाले अरविन्द केजरीवाल के शासन में महिलाओं के साथ अपराध का ग्राफ इतना अधिक बढ़ गया है कि दिल्ली रेप केपिटल के नाम से विश्व विख्यात हो गई और राजधानी दुनिया में अपराधों में नम्बर वन बन गई।

चौ. अनिल कुमार ने पीड़िता के पिता व बहन से मिलकर भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है। प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद भी की। उन्होंने मांग की कि पुलिस पीड़िता सहित परिवार के सदस्यों की सुरक्षा तय करें और दिल्ली सरकार पीड़िता को सरकारी नौकरी दे, अगर दिल्ली सरकार नौकरी नही देती है तो दिल्ली कांग्रेस प्राईवेट सेक्टर में पीड़िता के लिए नौकरी की व्यवस्था करेगी।

पीड़िता से मुलाकात के मौके पर चौ. अनिल कुमार के साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र नाथ, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जय किशन, पूर्व विधायक वीर सिंह धींगान, जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद, कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चैयरमेन अनुज अत्रेय और अशोक मेहता मुख्य रुप से मौजूद थे।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि अपराधियों द्वारा युवती को किडनेप करके बलात्कार करना और सार्वजनिक जूते की माला पहनाकर दुर्व्यवहार करने पर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का गैर जिम्मेदाराना व असंवेदनशील बयान साफ करता है कि उन्हें उत्पीड़ित महिलाओं के प्रति कोई हमदर्दी नही है। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली महिला आयोग की चैयरमेन स्वाती मालीवाल दिल्ली पुलिस के साथ-साथ मुख्यमंत्री से आग्रह करे कि वे पहले दिल्ली की स्थिति को दुरस्त करें। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के शासन में दिल्ली में अपराधिक मामले चरम पर है और दिल्ली में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ो रुपये के सीसीटीवी कैमरे लगाने के बावजूद दिल्ली में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल दिल्ली की स्थिति दुरस्त करने की बजाय अपनी शराब नीति को तंदरुस्त करने में लगे हुए है ताकि दिल्ली में शराब की बिक्री बढ़ सके। शराब मुक्त दिल्ली की बात करने वाले केजरीवाल ने कच्ची शराब बिक्री पर पाबंदी लगाने की जगह दिल्ली के कौने-कौने में शराब के ठेके खोलकर शराब की बिक्री को घर-घर तक पहुँचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महिला के साथ बलात्कार की घटना दिल्ली कैंट, कल्याणपुरी, पीरागढ़ी, त्रिलोकपुरी, खिचड़ीपुर में भी हुई थी। उन्होंने कहा कि पुलिस और निवार्चित जनप्रतिनिधियों के सरंक्षण में पिछले 7 वर्षों में दिल्ली में महिला सहित बेटियों के साथ अपराधिक मामले, यौन उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाऐं बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में औसतन 6 बलात्कार प्रतिदिन होते है।

दिल्ली में 15 से 18 वर्ष के 76 प्रतिशत से अधिक किशारों को कोविडरोधी टीके की पहली खुराक मिली

नई दिल्ली। दिल्ली में 15 से 18 वर्ष की आयुवर्ग के 76 प्रतिशत से अधिक किशोरों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक दी जा चुकी है। इनमें से सबसे अधिक किशोर उत्तर-पश्चिमी जिले के हैं।

केन्द्र के टीकाकरण संबंधी मंच 'कोविन' के आंकड़ों के अनुसार, 15 से 18 वर्ष की आयुवर्ग के 7.74 लाख किशोरों को 26 जनवरी तक पहली खुराक दी गई। दिल्ली में इस आयुवर्ग के 10.18 लाख किशोर हैं। केन्द्र सरकार ने तीन जनवरी से इस आयुवर्ग के लाभार्थियों का टीकाकरण शुरू किया था।

आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के 1,03,921 किशोरों को पहली खुराक दी गई, जबकि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के 1,02,425, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 78,107, पश्चिमी दिल्ली के 77,532 और दक्षिण-पूर्व दिल्ली के 73,070 किशोरों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक दी गई। वहीं, पूर्वी दिल्ली के 68,887, उत्तरी दिल्ली के 66,228, शाहदरा के 55,324, दक्षिणी दिल्ली के 54,385, मध्य दिल्ली के 48,940 और नई दिल्ली के 45,646 किशोरों को टीकों की पहली खुराक दी गई।

राष्ट्रीय राजधानी में पूर्वोत्तर दिल्ली में इस आयुवर्ग के लिए सबसे अधिक 33 टीकाकरण केन्द्र हैं। इसके बाद पश्चिमी दिल्ली में 30 और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में 24 केन्द्र हैं।

देश में 16 जनवरी 2021 से शुरू हुए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत दिल्ली में (शुक्रवार दोपहर तक) कुल 2.94 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड-19 रोधी टीकों की खुराक दी गई। इनमें से करीब 1.22 करोड़ लोगों को कोविड-19 रोधी टीकों की दोनों खुराक दी जा चुकी है।

सरूप नगर में निगम पार्षद विजेंद्र यादव ने बाटे मास्क

नई दिल्ली दिल्ली के नाहरपुर व सरूप नगर इलाके में उत्तरी दिल्ली नगर निगम स्थाई समिति के सदस्य व निगम पार्षद विजेन्द्र यादव ने ध्वजारोहण किया और मास्क का वितरण किया। इस नगर मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विजेन्द्र यादव ने उपस्थित लोगो से कहा कि सभी देशहित में कार्य करे। क्योंकि सबसे पहले देश होता है। उसके बाद ही कुछ और होता है। इसलिए सभी हमेशा ही देशहित में कार्य करे।

यादव ने आगे बताया कि नाहरपुर के सामने वाले पार्क व सरूप नगर सहित कई स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुआ और ध्वजारोहण किया। उन्होंने आगे कहा कि आज पूरा देश गणतंत्र दिवस को बड़ी ही धूमधाम से मना रहा है। इस दिन का देश में बड़ा ही महत्व है। क्योंकि 26 जनवरी को हमारा संविधान लागू हुआ था।

दिल्ली दंगों के दौरान कानून तोड़ने वाले दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई की गई :पुलिस ने अदालत में कहा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली उच न्यायालय में कहा है कि अधिकारियों ने 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने और लोगों की जान माल की रक्षा के लिए बिना किसी डर या पक्षपात के पेशेवर तरीके से सावधानीपूर्वक और प्रभावी ढंग से काम किया।

पुलिस ने कहा कि जब भी प्रदर्शनकारियों ने कानून का उल्लंघन करने की कोशिश की और प्रवर्तन एजेंसियों के निर्देशों की अवहेलना की तो उपद्रवियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की गई।

पुलिस ने कहा कि उसके द्वारा उठाए गए कदमों के कारण, हिंसा को कुछ ही दिनों में नियंत्रित किया जा सका और इसे एक सीमित क्षेत्र में रोक दिया। साथ ही इन मामलों की जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में पेशेवर और वैज्ञानिक रूप से की जा रही है।

पुलिस ने मुख्य न्यायाधीश डी. एन. पटेल और न्यायमूर्ति योति सिंह की पीठ में एक हलफनामा दाखिल किया। इस पीठ के समक्ष शुक्रवार को 2020 में दिल्ली में हुई हिंसा और नेताओं के कथित नफरत वाले भाषणों से संबंधित याचिकाएं सूचीबद्ध थीं। अब 4 फरवरी को इस पर सुनवाई होगी।

पुलिस ने उच न्यायालय को यह भी बताया कि 758 मामलों में से 367 में आरोप पत्र दायर किए गए हैं, 384 में जांच लंबित है, तीन मामलों को रद्द करने के लिये अदालत में रिपोर्ट दायर की गई है जबकि चार मामलों को उच न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

हलफनामे में कहा गया है, ÷दर्ज किए गए 758 मामलों में से 695 की उत्तर-पूर्व जिला पुलिस जांच कर रही है। हत्या आदि जैसी बड़ी घटनाओं से संबंधित 62 मामले अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिये गए हैं जिसने उक्त मामलों की जांच तीन समर्पित विशेष जांच टीमों (एसआईटी) को सौंपने की अनुशंसा की थी। इन मामलों की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। दिल्ली में सांप्रदायिक दंगों की बड़ी साजिश के एक मामले की जांच विशेष प्रकोष्ठ कर रहा है।

अदालत में 27 जनवरी को दाखिल किए गए हलफनामे में दावा किया गया है कि सभी मामलों की कानून के अनुसार तत्काल, सावधानीपूर्वक और निष्पक्ष रूप से जांच की गई है।

हलफनामे में कहा गया है, ÷ सीएए / एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों की नाकेबंदी की पूरी अवधि के दौरान दिल्ली पुलिस सतर्क और सावधान रही और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए कि विरोध प्रदर्शन आगे न बढ़े और प्रदर्शनकारी कानून का उल्लंघन न करें।

उपराज्यपाल, केंद्र ने 2020 के दंगों और गणतंत्र दिवस की हिंसा के मामलों में एसपीपी की नियुक्ति का बचाव किया

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल (एलजी) और केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा है कि पिछले साल गणतंत्र दिवस पर हुई हिंसा और 2020 के दंगों के मामलों के लिए एलजी ने प्रभावी, निष्पक्ष और न्यायोचित मुकदमे के हित में विशेष सरकारी अभियोजकों (एसपीपी) की नियुक्ति की थी क्योंकि दोनों ही मामले 'गंभीर राष्ट्रीय चिंता' वाले हैं।

दिल्ली पुलिस के चुने हुए वकीलों को एलजी द्वारा एसपीपी नियुक्त किये जाने को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर अपने साझा जवाब में उन्होंने कहा कि चूंकि दोनों मामले संसद के कानूनों- नागरिकता संशोधन कानून और कृषि कानूनों से सीधे ताल्लुक रखते थे, इसलिए राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में उप राज्यपाल की जिम्मेदारी है कि वह 'इन मामलों में और अधिक सक्रिय भूमिका अदा करें'।

उन्होंने दावा किया कि ये मामले 'अत्यंत संवेदनशील प्रकृति' के हैं और 'सार्वजनिक व्यवस्था' से जुड़े हैं जो दिल्ली सरकार के दायरे में नहीं आते।

दोनों ने दलील दी कि महज इसलिए इन मामलों को सीधे दिल्ली सरकार के नियंत्रण में नहीं बताया जा सकता क्योंकि घटनाएं राष्ट्रीय राजधानी के भौगालिक न्यायक्षेत्र में घटीं।

उनके हलफनामों में कहा गया है कि दंगों ने देश के धर्मनिरपेक्ष तानेबाने को चुनौती दी और इसलिए देश की एकता एवं अखंडता के हित में केंद्र सरकार का प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना अपेक्षित था, वहीं पूरे देश में किसानों के प्रदर्शन हुए और इन पर अंतरराष्ट्रीय नजरें भी रहीं।

उप राज्यपाल के विशेष सचिव द्वारा दाखिल संयुक्त हलफनामे में कहा गया, ''हिंसा की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ी और (पूर्वोत्तर दिल्ली के सांप्रदायिक दंगों में) जान-माल की हानि हुई। उसी समय जारी किसान आंदोलन और हिंसा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने मामलों में प्रभावी, निष्पक्ष और न्यायोचित मुकदमे की जरूरत रेखांकित की ताकि देश के कानून व्यवस्था के तंत्र पर भरोसा कायम रहे।''

कस्तूरबा नगर गैंगरेप मामले में 9 महिलाओं सहित 11 लोग गिरफ्तार, कई आरोपी अब भी फरार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के शाहदरा जिले के कस्तूरबा नगर में कथित रूप से एक महिला को अगवा कर गैंगरेप करने के बाद उसके चेहरे पर कालिख पोतकर, सिर मुंडवाकर और गले में जूतों की माला पहनाकर सड़कों पर घुमाने के मामले में 9 महिलाओं सहित कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों में नौ महिलाओं के नाम एफआईआर में दर्ज हैं और अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, उसे महिला के पति द्वारा बुधवार को हुई एक घटना के बारे में सूचित किया गया, जो मौके पर मौजूद नहीं था, लेकिन उसके मकान मालिक ने उस इसकी सूचना दी।

पुलिस ने कहा कि सूचना मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे और 20 वर्षीय महिला को आरोपियों से बचाया और थाने ले गए। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें गैंगरेप, शारीरिक हमला, यौन हमला और आपराधिक साजिश शामिल है।

पीड़िता की बहन के मुताबिक, पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने पिछले साल नवंबर में महिला से एकतरफा प्यार करने का दावा करते हुए आत्महत्या कर ली थी। उसका परिवार अपने बेटे की मौत के लिए मेरी बहन को दोषी ठहराता है।

छात्रों का अपमान नही भूलेगा हिंदुस्तान: श्रीनिवास बी. वी.

RRB-NTPC धांधली एवं युवाओं पर हुए पुलिसिया अत्याचार के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन।

नई दिल्ली। RRB-NTPC धांधली एवं युवाओं पर हुए पुलिसिया अत्याचार के खिलाफ आज भारतीय युवा कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इन अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि भाजपा सरकार के तीन हथियार है जुल्म, ज्यादती और अत्याचार। आज जहां जहां भाजपा सरकार है वहां वहां युवाओं के साथ अत्याचार हो रहे है। बिहार की डबल इंजन सरकार छात्रों की आकांक्षाओं और उम्मीदों के साथ विश्वासघात कर रही है। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिसिया बर्बरता सरकार के तानाशाही चरित्र को उजागर करती है। देश के संविधान ने हर नागरिक को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यूपी के जंगलराज में अपना हक मांगना भी जुर्म है। रोजगार मांगने के अपराध में पुलिस हॉस्टल और लॉज में घुसकर छात्रों को पीट रही है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के नौजवानों को तानाशाह अजय बिष्ट की पुलिस ने संदेश दिया है कि इस गणतंत्र में अब विरोध-प्रदर्शन का अधिकार छीन लिया गया है, जो की अत्यंत ही निंदनीय है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि जब युवा मांगे रोजगार, तो लाठी चलाए भाजपा सरकार। कैसे सह लें हम, देश के भविष्य पर भाजपाई अत्याचार। भाजपाई हुकूमत एक बाद समझ ले कि लाठी-डंडा और गोली-गाली के दम पर युवाओं के अधिकार नहीं छीन सकती। कांग्रेस युवा शक्ति के साथ है, न्याय तो होकर रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गणतंत्र में युवाओं की इस ताकत के सामने जीत नहीं पाएगी तानाशाही भाजपाई हुकूमत। ये युवा लोकतंत्र की ताकत है और भविष्य के सपने आंखों में लिए निकले हैं, इनकी बात मान ले सरकार यही अच्छा होगा भाजपा सरकार के लिए, साथ ही साथ उन्होंने यह मांग भी की कि छात्रों एवं अध्यापकों पर दर्ज फर्जी स्वढ्ढक्रतुरंत वापस लिए जाएं एवं बेरहमी से लाठी चलाने वाले पुलिसकर्मी तुरंत सस्पेंड हों।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि छात्र-छात्राओं के साथ डबल इंजन सरकार की पुलिस का व्यवहार अत्यंत ही निंदनीय है। युवाओं के दमन के खिलाफ देश भर में इंकलाब होगा और भाजपा का अहंकार चूर-चूर होगा। युवा अपने रोजगार का हक लेकर रहेंगे और उनके इस संघर्ष में भारतीय युवा कांग्रेस उनके साथ खड़ी है।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली सह प्रभारी खुशबू शर्मा, राष्ट्रीय सचिव शेष नारायण ओझा, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव, समेत अनेकों युवा कांग्रेस कार्यकर्तृता प्रदर्शन में शामिल हुए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सहारा समूह की नौ कंपनियों की जांच के सरकार के आदेश पर रोक लगाई

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने सहारा समूह की नौ कंपनियों की जांच करने के सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। सरकार ने जांच एजेंसियों के अधिकारियों को जांच रिपोर्ट एक निश्चित समय सीमा में दिए जाने के निर्देश दिए थे।

दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने अपने एक आदेश में कहा हम इस मामले में प्रतिवादियों द्वारा पारित 31 अक्टूबर, 2018, और 27 अक्टूबर, 2020 के आदेशों के संचालन, कार्यान्वयन और निष्पादन पर रोक लगाते हैं। इसके साथ ही उसके बाद शुरू की गई कार्रवाई और कार्यवाही, जिसमें कड़े उपाय और लुक-आउट नोटिस शामिल हैं, पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक रहेगी।

गौरतलब है कि रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी), मुंबई द्वारा पारित 31 अक्टूबर, 2018 के आदेश के अनुसार, तीन कंपनियों - सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट्स रेंज लिमिटेड, सहारा क्यू गोल्ड मार्ट लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के मामलों की जांच का निर्देश दिया गया था।

इनके अलावा छह और कंपनियों - एंबी वैली लिमिटेड, किंग एंबी सिटी डेवलपर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सहारा प्राइम सिटी लिमिटेड, सहारा इंडिया फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की भी जांच के आदेश दिए गए थे।

इस मामले में सहारा समूह ने तर्क दिया कि ऐसा कोई कारण नहीं है जिसे सरकारी आदेश में शामिल किया गया है कि कंपनियों के खिलाफ जांच क्यों आवश्यक है।

सहारा समूह ने तर्क दिया कि उस आदेश में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि निरीक्षकों द्वारा जांच रिपोर्ट तीन महीने की अवधि के भीतर केंद्र सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। हालांकि तीन महीने में ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं दी गई और आज , तीन साल से अधिक समय बीतने के बावजूद, जांच अभी भी जारी है।

कंपनी का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता ने कहाकंपनी अधिनियम की धारा 212(3) में कहा गया है कि जहां किसी कंपनी के मामलों की जांच केंद्र सरकार द्वारा एसएफआईओ को सौंपी गई है, वह अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को उस अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगी जो आदेश में तय है। वर्तमान मामले में आदेश तीन महीने का था। इस प्रकार, वर्तमान मामले में प्रतिवादियों द्वारा तीन महीने की अवधि के बाद जांच जारी रखना वैधानिक आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है।

कोरोना नियमों पर पालन कराना सरकार की हो जिम्मेदारी: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बाजारों में व्यवस्था बनाए रखने और कोरोना नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार को सौंपने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि सरकार नियमों का पालन न करने पर जुर्माना तो वसूल कर रही है लेकिन नियम लागू कराने की जिम्मेदारी नहीं ले रही।

सरकार द्वारा इस जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करने से ही हालात काबू से बाहर होते हैं और कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

बिधूड़ी ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को धन्यवाद दिया है कि उन्होंने भाजपा विधायक दल के अनुरोध को मानते हुए बाजारों में ऑड-ईवन और वीकेंड कर्फ्यू को समाप्त किया है। मगर, इस संबंध में डीडीएमए ने जो गाइडलाइंस जारी की हैं, उसमें कोरोना नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी फिर दुकानदारों पर डाल दी गई है जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार ने इस महीने रोजाना करीब एक करोड़ रुपया कोरोना नियमों का पालन न करने वालों से जुर्माने के रूप में वसूल किया है। जो लोग नियमों का पालन नहीं करते, उन पर जुर्माना होना ही चाहिए लेकिन इस राशि को सरकारी खजाने में डालने की बजाय इसका उपयोग बाजारों में कोरोना नियमों का पालन कराने पर किया जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह दिल्ली सरकार को निर्देश दें कि बाजारों में कोरोना नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम को दी जाए जिनकी जिम्मेदारी हो कि बाजारों में सिविल डिफेंस के वालंटियर नियुक्त करें।

कितनी जल्दी एयर इंडिया का कायाकल्प करेगा टाटा समूह

आर.के. सिन्हा

एयर इंडिया पर आज 27 जनवरी से टाटा ग्रुप का नियंत्रण हो जाएगा। पहले कहा जा रहा था कि एयर इंडिया 23 जनवरी को ही टाटा ग्रुप को सौंप दी जाएगी। अब टाटा ग्रुप के ऊपर यह बड़ी चुनौती है कि इसे कैसे विश्वस्तरीय एयरलाइंस में तब्दील करे।

एयर इंडिया की सर्विस गुजरे दशकों से लगातार बद से बदतर होती रही थी। इसके खर्चे बढ़ते जा रहे थे और कमाई घट रही थी। इसलिए टाटा ग्रुप को इसे पटरी पर लाने के लिए अब सख्त और त्वरित ठोस प्रयास करने होंगे।

एयर इंडिया को बाबूगिरी ने तबाह कर दिया था। टाटा ग्रुप के खरीदने के बाद भी इसकी सर्विस में सुधार नहीं हुआ। यहां के स्टाफ के कामकाज का स्तर और उर्जा को देखकर साफ समझ आ जाता है कि इनमें जंग लग चुकी है। जहां पर नौकरी सुरक्षित और पगार का मिलना तय होता है, वहां स्वाभाविक रूप से गड़बड़ शुरू हो जाती है। एयर इंडिया के साथ भी यही हुआ।

मुझे बीते कुछ समय के दौरान एयर इंडिया की फ्लाइट से मुंबई, बनारस, पटना, लखनऊ वगैरह आने-जाने का मौका मिला। सब जगहों में हालात बेहद लचर नजर आए। फ्लाइट के दौरान पहले की भांति घटिया नाश्ता और भोजन, मुसाफिरों को दिया गया। कहना न होगा कि इन सब कारणों के चलते ही एयर इंडिया को हर साल सैकड़ों करोड़ का घाटा होता रहा। क्योंकि मुसाफिरों ने अन्य एयरलाइंस में जाना शुरू कर दिया।

आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप कई वर्षों से एयर इंडिया के अधिग्रहण की कोशिश कर रहा था। दरअसल पहले सरकार एयर इंडिया में कुछ हिस्सेदारी बेचना चाह रही थी। लेकिन जब सरकार ने पूरी तरह टाटा समूह में अपनी हिस्सेदारी बेचने का निर्णय लिया तब टाटा ने 18 हजार करोड़ रुपये में एयर इंडिया को खरीद लिया। टाटा समूह के पास विस्तारा और एयर एशिया एयरलाइंस पहले से मौजूद है।

जाहिर है, टाटा ग्रुप के पास एयर इंडिया में जान फूंकने की अवश्य ही कोई ठोस कार्य योजना होगी। अगर यह बात न होती तो वह इसे खरीदता ही क्यों। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और मेनेटर रतन टाटा और चेयरमैन एन.चंद्रशेखर अपने समूह के आला अफसरों के साथ बॉम्बे हाउस में बैठकर अवश्य ही एयर इंडिया को नए सिरे से खड़ा करने के बारे में योजनाएं बना रहे होंगे। बॉम्बे हाउस में टाटा समूह का हेड आफिस है। इसमें ही टाटा समूह के नमक से लेकर स्टील क्षेत्र की कंपनियों के सभी प्रमुख बैठते हैं।

टाटा समूह के आला अफसरों को समझ लेना होगा कि भले ही टाटा समूह का ब्राण्ड भारत और

भारत के बाहर बहुत सम्मान की नजरों से देखा जाता है, पर उसे एयर इंडिया को बेहतरीन एयरलाइंस बनाने के लिए स्टाफ को मोटिवेट करने से लेकर नई टेक्नालॉजी का सहारा लेना होगा। अब एयर इंडिया का सारा इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) संबंधी काम टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कर सकती है। टीसीएस दुनिया की सबसे खास आईटी सेक्टर की कंपनियों में शुमार होती है। उसकी तरफ से संसार की कई मशहूर एयरलाइंस को सेवाएं पहले से ही दी जा रही हैं। टीसीएस का त्रैमासिक मुनाफा 18 हजार करोड़ रुपए से ऊपर आ रहा है। तो आईटी के मोर्चे पर तो एयर इंडिया को टीसीएस की सेवाएं आसानी से मिल जाएंगी। यह तो उसके घर का मामला ही माना जा सकता है।

कोई भी उद्योग, खासतौर पर सर्विस सेक्टर, तब ही गति पकड़ सकता है जब वहां का स्टाफ भी कमर कस ले। इसके बिना तो बात नहीं बनेगी। एयर इंडिया के ग्राउंड और फ्लाइट के दौरान रहने वाले स्टाफ तो देखकर समझ में आता है कि उन्हें अपने कस्टमर्स के हितों को लेकर कोई गंभीरता या संवेदनशीलता का भाव नहीं है। वे बस अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। मुझे खुद देखकर अफसोस हुआ कि टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद भी इसके पुरुष मुलाजिम तीन-चार दिनों की बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान मुसाफिरों को कायदे से सूचनाएं भी नहीं दी जा रही थीं।

इनके विपरीत निजी एयर लाइनों के स्टाफ में कमाल की उर्जा और उत्साह देखने में आता है। समझ आता है कि वे किसी खास लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। एयर इंडिया के पुराने स्टाफ को अब अपने पुराने तौर-तरीकों को छोड़ना ही होगा। अब वे इस तरह की उम्मीदें पालना छोड़ दें कि उनके ऊपर उनसे छोटी उम्र का कोई अफसर नहीं आएगा। अब मेरिट का दौर है तो वही चलेगा। अब जो अपने को साबित करेगा वह ही पदोन्नति भी हासिल करेगा। एयर इंडिया की हालत इसलिए ही नहीं सुधरी कि वहां मेरिट की अनदेखी हुई।

एयर इंडिया के स्टाफ इस बात के लिए भी तैयार रहें कि उन्हें देश के किसी भी भाग में कभी भी ट्रांसफर किया जा सकता है। पहले तो ये सभी ट्रांसफर होने की हालत में दिल्ली में सांसदों से लेकर मंत्रियों के घर याचक के भाव से खड़े हो जाया करते थे कि इनकी किसी तरह से ट्रांसफर न हो। और, कोई न कोई अफसरशाह, सांसद या मंत्री इनकी मदद कर ही देता है।

फिलहाल यह भी लग रहा है कि टाटा ग्रुप एयर इंडिया का संचालन दिल्ली से ही करेगा। हालांकि उसकी चाहत तो ऐसी थी कि उसे सरकार के साथ इस सौदे की डील में मुंबई का एयर इंडिया हाउस भी मिल जाए। मरीन ड्राइव पर स्थित एयर इंडिया बिल्डिंग मुंबई की शान है। लेकिन सौदे में सरकार ने एयर इंडिया बिल्डिंग अपने पास ही रखी। टाटा समूह एयर इंडिया को राजधानी के गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित एयरलाइंस हाउस से संचालित करेगी। यानी इधर ही एयर इंडिया के नए बड़े अफसर बैठेंगे। इन्हें मुंबई से दिशा-निर्देश मिलते ही रहेंगे।

देखिए, भारत में एविएशन सेक्टर लंबी छलांग लगा रहा है। यहां पर सभी स्तरीय सेवाएं देनी वाली एयरलाइंस के लिए मुनाफा कमा कर आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर आगामी कई दशकों तक रहेंगे। भारतीय लंबी दूरी के लिए अब हवाई यात्रा पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। हवाई यात्रा अब बस और रेल यात्रा पर भारी पड़ने लगी है। देश में तो हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ ही रही है, विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में भी भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। अगर बात 2019 की करें तो तब 71 हजार भारतीय रोजाना विदेशों के लिए उड़ान भर रहे थे जो प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यह साफ प्रमाण है कि उत्तम सेवा देने वाली एयरलाइन आगे तो बढ़ेगी ही।

सम्पादकीय

कैप्टन और सिद्धू की तकरार के मायने

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

जैसे-जैसे पंजाब में मतदान की तारीख़ नज़दीक आती जा रही है, वैसे-वैसे विभिन्न राजनीतिक दलों में तल्ख़ी बढ़ती जा रही है। भाषा से नियंत्रण हटता जा रहा है और मामला गली-बाज़ार की लड़ाई के स्तर तक पहुंच रहा है। किसान समाज मोर्चा ने अभी अपने सभी प्रत्याशी खड़े नहीं किए हैं और वे सीटों को लेकर अभी आपस में कमरे के भीतर ही लड़-झगड़ रहे हैं। जब उनके सभी प्रत्याशी भी मैदान में आ जाएंगे तो यक़ीनन यह आतिशबाज़ी और तेज और मारक हो जाएगी। फिलहाल तो शाब्दिक युद्ध कैप्टन अमरेंद्र सिंह, सुखबीर सिंह बादल, भगवंत मान और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच चल रहा है। कैप्टन को इस बात की दाद देनी पड़ेगी कि वे उत्तेजना के बावजूद वाणी पर नियंत्रण रखने में सफल रहते हैं। लेकिन उनका वाणी पर नियंत्रण ही शायद कांग्रेस पर भारी पड़ रहा है। यदि वे भी सिद्धू की तरह गाली गलौज पर उतर आते तब शायद सोनिया कांग्रेस को इतनी चिंता न होती। वे गाली गलौज पर न उतर कर, बड़े ही संयम से कुछ पुराने तथ्यों को सार्वजनिक कर रहे हैं जो सोनिया पर केवल पंजाब में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में भारी पड़ रहे हैं। पिछले दिनों कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने बहुत ही सधे हुए शब्दों में खुलासा किया कि नवजोत सिंह सिद्धू को मंत्रिमंडल में लेने के लिए उन्हें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के नज़दीकी मध्यस्थ का मैसेज आया था। मैसेज में यहां तक कहा गया था कि फिलहाल आप सिद्धू को मंत्री बना दें, यदि बाद में वह आपके हिसाब से ठीक न रहे तो आप उसे हटा सकते हैं।

कैप्टन का कहना है कि उन्होंने वे मैसेज सोनिया गांधी को अग्रेषित कर दिए थे। सोनिया गांधी ने रहस्यमय चुप्पी धारण किए रखी, लेकिन उनकी बेटी ने जरूर उत्तर दिया कि सिद्धू पागल है, उसे ऐसे मैसेज नहीं करवाने चाहिए। इसके बाद मामला ठप्प हो गया। लेकिन शायद इन मैसजों के आदान-प्रदान के बाद ही नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तान गया था, जहां उसने एक सार्वजनिक सभा में इमरान खान की जम कर तारीफ़ ही नहीं की थी बल्कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख बाजवा का आलिंगन भी किया था। कुछ पत्रकारों ने सिद्धू की इस पूरे घटनाक्रम पर टिप्पणी लेनी चाही तो उसका उत्तर था कि मरे को क्या मारना, यानी मैं कैप्टन की किसी बात का उत्तर नहीं दूंगा क्योंकि अब उसकी कोई औक़ात नहीं है। सिद्धू की नज़र में कैप्टन की अब कोई औक़ात नहीं हो सकती, लेकिन यह घटना उस समय की है जब कैप्टन की औक़ात थी और सिद्धू की कोई औक़ात नहीं थी। ज़ाहिर है सिद्धू या तो उत्तर देने से बचना चाहते थे या फिर उनके पास उत्तर था ही नहीं। लेकिन अब यह मामला सिद्धू से ज्यादा सोनिया गांधी के आसपास घूमना शुरू हो गया है क्योंकि कैप्टन ने यह भी बताया कि सोनिया गांधी जब सिद्धू को कांग्रेस में लेना चाहती थी तो उन्होंने कैप्टन अमरेंद्र सिंह को ही उसका मूल्यांकन कर रिपोर्ट देने के लिए कहा था।

कैप्टन की रिपोर्ट सिद्धू के पक्ष में नहीं थी। लेकिन उसके बावजूद सोनिया गांधी ने सिद्धू को पार्टी में शामिल कर लिया। तिथि क्रम से देखें तो सिद्धू के पक्ष में पाकिस्तान के दबाव की घटना इसके बाद हुई। उसके बाद सिद्धू ने पाकिस्तान में जाकर इमरान खान के पक्ष में भाषण दिया। इस भाषण के बाद कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने सार्वजनिक रूप से सिद्धू के इस कृत्य से अपनी असहमति जताई। लेकिन उसके बाद से ही सोनिया गांधी का दबाब कैप्टन अमरेंद्र सिंह पर बढ़ने लगा कि नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का प्रधान बनाया जाए। ज़ाहिर है कि पाकिस्तान को लेकर उक्त घटनाक्रम के रहते कैप्टन इस बात से कैसे सहमत हो सकते थे। उन्होंने परोक्ष रूप से एक-दो बार सार्वजनिक बयान भी दिए कि पंजाब सीमांत प्रदेश है और पाकिस्तान पंजाब में कुछ न कुछ शरारत करता रहता है, वह हिंदू-सिख में विवाद करवाने के प्रयास भी करता रहता है। इसलिए पंजाब में कोई ऐसा राजनीतिक प्रयोग नहीं करना चाहिए जिससे यहां अस्थिरता फैले और पाकिस्तान अपनी चाल में सफल हो सके। लेकिन सोनिया गांधी का दबाव बराबर बना रहा और कैप्टन को सिद्धू को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में स्वीकार करना पड़ा। मामला यहां तक होता तब भी ग़नीमत थी। कैप्टन पाकिस्तान के विरोध में बयानबाज़ी बंद नहीं कर रहे थे। ज़ाहिर है नवजोत सिंह सिद्धू और उसके यार इमरान खान के बीच कैप्टन अमरेंद्र सिंह ही रोड़ा था। इसलिए उसको हटाना जरूरी था। सोनिया गांधी ने अंततः वह भी कर दिया। लेकिन रणनीति तो इससे भी आगे की थी। कैप्टन कह चुके थे कि पाकिस्तान पंजाब में हिंदू-सिख के बीच दरारें डालने का काम कर रहा है। लेकिन उस काम को कैप्टन को हटाने के बाद सोनिया कांग्रेस ने या तो जानबूझकर या फिर अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए सम्पन्न किया। मुख्यमंत्री के लिए सुनील जाखड़ का भी नाम कांग्रेस के भीतर से प्रमुखता से आने लगा था।

मुख्यमंत्री कांग्रेस को ही चुनना था। यदि सोनिया गांधी को लगता था कि सुनील जाखड़ उनको राजनीतिक नफा-नुक़सान के आधार पर अनुकूल नहीं लगते तो उनको नकारने का अधिकार उनके पास था ही नहीं। लेकिन उसको नकारने के लिए सोनिया गांधी कांग्रेस ने जो रास्ता अपनाया, वह पंजाब के लिए बहुत ख़तरनाक था। इस काम के लिए अम्बिका सोनी को मैदान में उतारा गया। उस महिला ने सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस की ओर से घोषणा की कि पंजाब में कोई हिंदू मुख्यमंत्री नहीं बन सकता, यहां केवल सिख ही मुख्यमंत्री बन सकता है। सुनील जाखड़ को इस बयान के बिना भी मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर किया जा सकता था। लेकिन शायद कांग्रेस का मक़सद जाखड़ को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर करना इतना नहीं था जितना हिंदू-सिखों के मनों में दरार पैदा करना।

28-29 जनवरी 1528: चंदेरी में बाबर का विध्वंस

रमेश शर्मा

भारतीय इतिहास के कुछ पन्ने रक्तरंजित हैं। घटनाओं का ऐसा विवरण है जो रौंगटे खड़े कर देता है। आक्रांताओं के अहंकार ने लाशों के ढेर लगाये और अट्टहास किया।

इतिहास के पन्नों में ऐसा ही एक विवरण मध्य प्रदेश में चंदेरी का मिलता है। यह वही चंदेरी है जो आज साड़ियों की शिल्पकला के लिये प्रसिद्ध है। उन दिनों यह वस्त्र कला निर्माण और व्यवसाय का बड़ा केन्द्र था।

चंदेरी का यह विध्वंस मुगल हमलावर बाबर ने किया था। बाबर ने चंदेरी में केवल विध्वंस ही नहीं किया था बल्कि जिन सैनिकों और नागरिकों को जान बख्शने का आश्वासन देकर समर्पण कराया था, उन सब बंदियों के शीश काटकर पहाड़ बनाया और उसपर अपनी जीत का झंडा फहराया था। निर्दोष स्त्री-पुरुषों को पकड़ कर गुलाम बनाया, अत्याचार किये और इनमें से कुछ को खुरासान की गुलाम मंडियों में बेचने के लिये भेजा था। इसी विध्वंस के बीच महारानी मणिमाला सहित 1500 क्षत्राणियों ने चंदेरी में जौहर किया। क्षत्राणियों के जौहर की स्मृतियाँ स्मारक के रूप में आज भी मौजूद है। इस स्मारक पर पहुँचते ही सिहरन पैदा होती है।

यह युद्ध वर्ष 1528 के जनवरी के अंतिम सप्ताह में हुआ था। गद्दार द्वारा चंदेरी दरवाजा खोलने की तिथि 28 और 29 जनवरी की रात है। रातभर वीरों का खून बहा, स्त्रियों की चिताएं जलीं इसलिये कुछ इतिहासकारों ने विध्वंस की तिथि 28 जनवरी मानी तो कुछ ने 29 जनवरी।

चंदेरी मध्य प्रदेश के ग्वालियर संभाग और अशोकनगर जिले के अंतर्गत ऐतिहासिक नगर है। उन दिनों चंदेरी पर प्रतिहार वंशीय शासक मेदनी राय का शासन था। तब चंदेरी अंतरराष्ट्रीय रेशम के व्यापार का बड़ा केन्द्र था। मेदिनी राय न केवल चित्तौड़ के शासक राणा साँगा की कमान में बाबर से युद्ध करने के लिये खानवा के मैदान में अपनी सेना लेकर गये थे बल्कि राणा साँगा उन्हें अपना पुत्र भी मानते थे। दुर्योग से खानवा के युद्ध में राणाजी की पराजय हुई। इस युद्ध में राणाजी की हार के दो कारण रहे, एक तो गद्दारी और दूसरा बाबर ने अपने तोपखाने के आगे गायों को बाँध कर खड़ा कर दिया था। गायों को सामने देखकर राणा का तोपखाना रुक गया। बाबर का तोपखाना चालू हो गया और युद्ध का नक्शा ही बदल गया।

राणाजी के घायल होकर निकल जाने के बाद बाबर ने जीत का जश्न मनाया और उन सभी राजपूत राजाओं के दमन का सिलसिला शुरू किया जो राणा साँगा की कमान में बाबर से युद्ध करने खानवा पहुँचे थे। इनमें मेदिनी राय का नाम प्रमुख था। खानवा युद्ध के बाद मेदिनी राय चंदेरी लौट आये और राणाजी के

स्वस्थ होने की प्रतीक्षा करने लगे।

चंदेरी अभियान के लिये बाबर 9 दिसम्बर 1527 को सीकरी से रवाना हुआ। इसकी खबर मेदिनी राय को लग लग गयी थी। उन्होंने सहायता के लिये मालवा के अन्य राजाओं को संदेश भेजे और आवश्यक सामग्री एकत्र कर स्वयं को किले में सुरक्षित कर लिया। चंदेरी का यह किला पहाड़ी पर बना है। यह देश के अति सुरक्षित किलों में एक माना जाता है।

बाबर और उसकी फौज रास्ते भर लूट, हत्या और बलात्कार करती 20 जनवरी 1528 को चंदेरी पहुँची। बाबर ने रामनगर तालाब के पास कैंप लगाया और दो संदेश वाहक शेख गुरेन और अरयास पठान को राजा मेदिनी राय के पास भेजा। संदेश वाहकों ने तीन संदेश दिये- एक, मुगलों की अधीनता स्वीकार करो और मुगल सूबेदार बनो। दूसरा, चंदेरी का किला खाली कर दो इसके बदले कोई दूसरा किला ले लो और तीसरा अपनी दोनों बेटियों की शादी मुगल शहजादों से कर दो।

स्वाभिमानी मेदनी राय ने शर्तों को अस्वीकार कर दिया। मेदिनी राय को लगता था कि बाबर की फौज पहाड़ी न चढ़ पायेगी। लेकिन बाबर के पास तोपखाना और बारूद का पर्याप्त भंडार था। उसने एक रात में पहाड़ी को काटकर रास्ता बना लिया और किले के दरवाजे तक आ गया। दूसरी तरफ राजपूतों के पास न बारूद था न तोपखाना। उनके पास तीर-कमान, तलवार, भाला या आग के गोलों के अतिरिक्त कुछ नहीं था।

वह 26 जनवरी 1528 की तिथि थी जब समर्पण के लिये बाबर का अंतिम संदेश राजा मेदिनी राय को मिला। संदेश पाकर राजा ने रणभेरी बजाने का आदेश दिया। 27 जनवरी को किले का द्वार खोलकर युद्ध हुआ पर तोपखाने के सामने राजपूत सेना टिक न सकी। युद्ध एक प्रहर भी न चल पाया। चूंकि बाहर तगड़ी घेराबंदी थी। राजा घायल हो गये। उन्हें अचेत अवस्था में किले के भीतर लाकर द्वार बंद कर दिया गया।

28 जनवरी को दिनभर बाबर का तोपखाना चंदेरी किले दीवार पर गरजता रहा। दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। महारानी मणिमाला को भविष्य का अंदाजा हो गया और वे किले के भीतर विराजे महाशिव के मंदिर में चली गईं। उनके साथ राज परिवार और अन्य क्षत्राणियां थी, जिनकी संख्या 1500 से अधिक लिखी है। सभी सती स्त्रियों ने पहले शिव पूजन किया, फिर स्वयं को अग्नि को समर्पित कर दिया।

जिस समय ये देवियाँ जौहर कर रहीं थी तभी किसी विश्वासघाती ने किले का दरवाजा खोल दिया। मुगलों की फौज भीतर आ गयी। किले के भीतर यूँ भी मातम जैसा माहौल था। जिसके हाथ में जो आया उससे मुकाबला करने लगा। पर यह युद्ध नाममात्र का रहा। रातभर मारकाट हुई। यह मारकाट एकतरफा थी। हमलावरों ने किले के भीतर किसी भी पुरुष को जीवित न छोड़ा। स्त्रियों को बंदी बना लिया गया। सबेरे सारी लाशें एकत्र की गयीं। उनके शीश काटे गये, काटे गये सिरों का ढेर लगाया गया और उस पर मुगलों का ध्वज फहराया गया।

बाबर चंदेरी में पंद्रह दिनों तक रहा। किले में खजाने की तलाश की गयी। आसपास जहाँ तक बन पड़ा लूटपाट की गयी। लाशों के ढेर किले और नगर में ही नहीं गांवों में भी लगे थे। मकानों को ध्वस्त किया गया। यातनायें देकर छुपा धन वसूला गया। अय्यूब खान को चंदेरी का सूबेदार बनाकर बाबर लौट गया।

इस युद्ध और जौहर का वर्णन प्रतिहार राजपूतों का इतिहास÷ में विस्तार से है, जिसके लेखक देवी सिंह हैं। जबकि युद्ध का वर्णन ग्वालियर और गुना जिले के गजट में भी है। चंदेरी में जौहर स्थल भी बना है, जहां महिलाएं पूजन करने जाती हैं।

हम भारत के लोग

शिव प्रकाश

संविधान स्वीकृति के बाद हम गणतांत्रिक देश बन गये। देश की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने भविष्य में देश के सम्मुख आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम संविधान देश को दिया। संविधान की प्रस्तावना का प्रारम्भ करते हुए उन्होंने हम भारत के लोग कहा। हम भारत के लोग अर्थात् अब हम स्वतंत्र सम्प्रभुता सम्पन्न गणतंत्र हैं। अब हम किसी विदेशी सत्ता के अधीन नहीं हैं। हमारा संविधान भी किसी विदेशी सत्ता द्वारा निर्देशित एवं निर्मित नहीं है। यह संविधान हमारे प्रतिनिधियों द्वारा अर्थात हमने ही बनाया है। इसका अर्थ हमारे द्वारा, हमारे लिए जिसको हम स्वीकार अथवा आत्मार्पित कर रहे हैं।

हम भारत के लोग देश के स्वतंत्र होते समय लगभग 40 करोड़, जो अब बढ़कर लगभग 138 करोड़ हो गये हैं। अब हम ही अपने भाग्य के निर्माता हैं। प्राचीन समय से अपने देश में एक कहावत प्रचलित है कि यथा राजा तथा प्रजा। स्वतंत्रता से पूर्व हमारे देश में राजतंत्र था। राजपरिवार से राजा चुना जाता था। राजा की नीतियों का अनुसरण प्रजा के करने के कारण यथा राजा तथा प्रजा की यह कहावत प्रचलित हुई होगी।

स्वतंत्रता के पश्चात् हमने लोकतंत्र स्वीकृत किया जिसके परिणाम स्वरूप जनता के वोट से जन प्रतिनिधि चुने जाने लगे। चुने हुए जनप्रतिनिधियों के संख्या बल से बहुमत प्राप्त दल, सरकार का गठन करता है। अतः अब हम अपना प्रतिनिधि स्वयं चुनते हैं। इस कारण जैसा चयन हम करेंगे वैसा हमारा प्रतिनिधि होगा। इसलिए कहावत को ऐसा भी कहा जा सकता है कि यथा प्रजा तथा राजा। इस कारण देशहित का विचार करके मतदान करने वाला समाज गढ़ना प्रमुख कार्य देश के अग्रणी लोगों का है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने इस कार्य को लोकमन संस्कार कहा है।

जब हम हम भारत के लोग सम्बोधन करते हैं तब देश की 138 करोड़ जनसंख्या से इसका सन्दर्भ जुड़ता है। लेकिन 138 करोड़ भारतीयों का मन एवं संस्कार और संस्कार के आधार पर व्यवहार कैसा है, इसका भी विचार करना आवश्यक है। हिमालय से सागर, गुजरात से मणिपुर अर्थात उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम् विशाल 38.87 लाख वर्ग किलोमीटर विस्तृत भू-भाग वाला भारत देश है। भौगोलिक, जलवायु, मौसम आदि के आधार पर अनेक प्रकार की विविधता के दर्शन यहाँ पर होते हैं। भाषा के सन्दर्भ में कहा जाता है कि कोस-2 पर बदले पानी, चार कोस पर बानी। इसी कारण संविधान द्वारा स्वीकृत 22 भाषा एवं क्षेत्रीय आधार पर 129 से अधिक बोली बोली जाती हैं। खान-पान, वेशभूषा, जन्म, धार्मिक आस्थाए शिक्षा एवं आर्थिक आधार अनेक प्रकार की विविधता निर्माण करते हैं। सतही दृष्टि रखने वाले लोग इन विविधताओं में भेद को देखते हैं।

गुलामी के लम्बे अन्तराल में हम स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत रहे। इस कारण गतिशील समाज में अपनी समाज रचना के सन्दर्भ में बार-बार विचार करने की जो आवश्यकता रहती है वह हम नहीं कर सके। जो समाज व्यवस्था काल बाहय हो गयी थी, उसका पुनर्विचार भी नहीं हुआ। इस कारण अस्पृश्यता, वर्ण-भेद आदि ने हमारे समाज को जंजीर के समान जकड़ लिया। आज भी जिसके उदाहरण देश में अनेक घटनाओं में

प्रकट होते रहते हैं। लक्ष्य से भटकाव अथवा लक्ष्य विहीन समाज होने के कारण हमारी स्वार्थी वृत्ति ने भी अनेक दोष हमारे अंदर उत्पन्न किये। महिलाओं के प्रति दृष्टि अथवा अनेक कुरीतियों का जन्म इसी स्वार्थी मानसिकता का परिणाम है।

भारत के पास प्राचीन सांस्कृतिक विरासत एवं विश्व को दिशा देने में सक्षम ज्ञान परम्परा है। आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने के लिए पर्याप्त कृषि योग्य भूमि, जल एवं वन सम्पदा तथा प्रचुर श्रम शक्ति उपलब्ध है। इन तीनों गुणों के आधार पर हम विश्व की महाशक्ति हो सकते हैं जो वैश्विक ताकतें भारत को बढ़ती ताकत के रूप में देखना नहीं चाहती, वह भी भारत को कमजोर करने के लिए भारतीय समाज में विभेदो को बढ़ाने का सुनियोजित प्रयास कर रही हैं। एकात्मता को खंडित करने में कुछ मात्रा में इन लोगो ने सफलता भी प्राप्त की है। गुलामी के कालखंड से ही इन शक्तियों ने भारतीय समाज को कमजोर करने के अनेक प्रयास किये।

विभेद को बढ़ाने के लिए अनेक सिद्धांत गढ़े। उत्तर-दक्षिण, आर्य-द्रविड़, आदिवासी-शहरवासी, भारत एक राष्ट्र नहीं, अनेक राष्ट्रों का समूह, जैसे अनेक सिद्धांत इसी अलगाववादी प्रवृत्ति को बढ़ाने की मानसिकता के उदाहरण हैं। छोटी-छोटी पहचान को आधार बनाकर आंदोलन खड़े करना एवं अलगाव के बीज बोकर संघर्ष खड़ा करना इसका प्रयास सुनियोजित तरीके से चल रहा है। कुछ समय पूर्व पूना का मराठा-अनुसूचित जाति संघर्ष, सिख-हिंदू संघर्ष के आधार पर आतंक को प्रश्रय, स्पृश्यता-अस्पृश्यता को आधार बनाकर गुजरात एवं उत्तर प्रदेश की घटनाएं इसी अलगाववादी मानसिकता से ऊपजे ताजा उदाहरण हैं।

नए-नए सिद्धांतों को गढ़ना, ऐतिहासिक घटनाओं को संदर्भ से काटकर नए-नए संदर्भों में प्रस्तुत करना, छोटे-छोटे विषयों को बढ़ाकर हिंसा फैलाना, हिंसा फैलाने वाले संगठनों को बौद्धिक धरातल देकर संरक्षण करना, ऐसे कार्य करने वालों को समाज में मान्यता प्रदान करना यह एक व्यवस्थित संजाल संपूर्ण देश में फैला है। कभी गरीबी, पिछड़ापन, पर्यावरण आदि का सहारा लेकर कार्य करने वाली शक्तियों को पहचानना आवश्यक है। केवल संगठनों का नाम नेतृत्वकर्ता चेहरे बदलते हैं, देश विभाजक मानसिकता एक ही है।

हम भारत के लोग जब तक परस्पर इतने विभेद में बंटे रहेंगे एवं अज्ञानतावश अनेक प्रकार के षड्यंत्रों का शिकार बनते रहेंगे तब तक संविधान में व्यक्त संकल्पों की पूर्ति संभव नहीं है। अतः हमें विविधता में एकता को आत्मसात करना होगा। अलग-अलग जातियों, प्रांतों में जन्म लेने के बाद भी एवं अलग-अलग पूजा पद्धतियों में आस्था रखने के बाद भी हम एक ही भारत भूमि की संतान हैं। यह शस्य-श्यामला भूमि हमारी मां है। मां-पुत्र का यह संबंध हमारे मध्य भाईचारा निर्माण करता है। हमारी सभी की एक साझी विरासत है, हमारी संस्कृति हम को जोड़ती है। समाज सुधारक, अलग-अलग गुणों को आधार मानकर उपदेश देने वाले उपदेशक भारत की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वाले सभी महापुरुष हमारे अपने हैं। हम सभी उनकी संतान हैं। प्रसिद्ध समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने इसी आधार पर कहा था कि इस देश को जोड़ने वाले तत्व राम, कृष्ण, शिव हैं। हमको इसी एकात्मता के दर्शन करने होंगे। जय-पराजय में प्रकट होने वाली प्रतिक्रिया एवं परिणामों को हम सभी ने समान रूप से भोगा है। विश्व में अपने भारत देश को अग्रणी देश बनाना यह लक्ष्य हम सभी 138 करोड़ भारतीयों को एक दिशा में चलने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे संविधान निर्माताओं ने जब हमको हम भारत के लोग कहकर संबोधित किया, तब इसका संबंध केवल आबादी तक सीमित नहीं होगा। उनकी दृष्टि में एकात्म, समरस, समान लक्ष्य वाला समाज रहा होगा, जिसमें किसी भी प्रकार की विषमता नहीं होगी, समान अवसर एवं सभी को न्याय होगा। जिसका अपना संकल्प, अपना लक्ष्य होगा। गरीबी भगाकर, आर्थिक समृद्धि लाकर एक मन वाला, एक रस समाज जिसमें भारत के प्रति भक्ति, संस्कृति एवं महापुरुषों के प्रति गौरव एवं समान लक्ष्य वाला एक समाज बनाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। विश्व के अग्रणी देशों ने अपने समाज में इन गुणों की वृद्धि कर अपने देश को विश्व में अग्रणी बनाया है।

इस वर्ष देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। गणतंत्र दिवस की शुभ बेला पर इसी विविधता में एकता के दर्शन करते हुए हम अपने संविधान निर्माताओं की आकांक्षा एवं अपने महापुरुषों की इछा को पूर्ण करने का संकल्प लें। तभी हम हम भारत के लोग कहलाने के सचे अधिकारी होंगे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

भाजपा की सातवीं लिस्ट जारी पुराने उम्मीदवारों पर भरोसा

ब्यूरो चीफ दिलीप गुप्ता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशियों की शुक्रवार को लिस्ट जारी कर दी। क्षेत्र से रामप्रताप वर्मा को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही बलरामपुर जनपद की चारों विधानसभा सीटों में भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। उतारा गया है, इस सीट से ही मुकुट बिहारी वर्मा विधायक हैं। वही गोंडा सदर की बात करें तो बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह के बेटे प्रतीक भूषण को टिकट दिया गया है,

प्रतीक भूषण गोंडा

पलटू राम बलरामपुर

अनुपमा जायसवाल बहराइच

बलरामपुर सदर से पलटू राम को टिकट

बलरामपुर सदर सुरक्षित से राज्य मंत्री पलटू राम को टिकट दिया गया है। जबकि गैंसड़ी से शैलेश कुमार सिंह शैलू को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। तुलसीपुर से कैलाश नाथ शुक्ला और उतरौला विधान सभा जबकि बहराइच से पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री श्रीमती अनुपमा जयसवाल को भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। बहराइच के कैसरगंज सीट से सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा के बेटे गौरव वर्मा को जबकि जबकि गौरा विधानसभा से एक बार फिर पार्टी ने प्रभात वर्मा पर दांव लगाया है। सबसे खास बात यह है, कि भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी से बागी हुए स्वामी प्रसाद मौर्य इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए लगभग सभी पुराने उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भारत देश के महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलते हैः सत्यवीर त्यागी

मेरठ। किठौर, जनप्रतिनिधि, किठौर विधानसभा के वर्तमान विधायक तथा भाजपा के प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी ने कहा कि अब किठौर क्षेत्र की जनता तय करेगी कि उनको अपना मतदान भारत देश के महापुरुषों के मार्ग पर चलने वाले कर्म योगी को देना है, या देश के अधर्मी,माफियाओं को। अब किठौर क्षेत्र विकास के पथ पर अग्रसर है। भाजपा सरकार में पिछले 5 साल का ब्यौरा निकाले तो किठौर विधानसभा में तीन हाईवे ,सड़कों का जाल ,प्रत्येक ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण ,ग्राम व कस्बों में हाई मास्क लाइट, हैंडपंपों का निर्माण ,पेयजल व्यवस्था में सुधार, प्रत्येक ब्लाक के ग्रामों में पानी की टंकी निर्माण ,किसान कल्याण केंद्र का निर्माण आदि ।

इसके विपरीत पूर्व सपा सरकार के मंत्री केवल किठौर की जनता को भ्रष्टाचार ,गुंडागर्दी, जनता में भय माहौल तथा किठौर क्षेत्र का विकास मात्र कागजों पर ही दे पाए हैं। आज सत्यवीर त्यागी ने अपने जनसंपर्क अभियान को रजपुरा व माछरा ब्लॉक में शुरू करने से पहले ग्राम भटीपुरा स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके शुरुआत

की ।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भारत देश के महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलता है। हमेशा हिंदुत्व की रक्षा की बात करता है । जनसंपर्क अभियान में आज शुक्रवार को भटीपुरा ,अम्हेड़ा सानी, कायस्थ बढा, सिंहपुर, अमरपुर, हसनपुर, राछेती, राछेती डेरियो सहित अन्य ग्राम पंचायतों में

बैठक व जनसंपर्क किया। ग्राम सिंहपुर में किसानों की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी ने कहा कि भाजपा सरकार ने गन्ने के दामों में वृद्धि ,किसानों को सिंचाई के लिए 18 से 20 घंटे बिजली, खाद यूरिया की उपलब्धता ब्लॉक स्तर पर, खेती-बाड़ी के नए तरीकों के लिए किसान कल्याण केंद्र की स्थापना ,जहां किसान कृषि विशेषज्ञों कि सलाह के साथ खेती करेंगे। अब किसान रूपी अन्नदाता डिजिटल हो गया है ।

जनसंपर्क अभियान में मिल रहे भारी समर्थन व उमड़ रहे जनसैलाब को देख कर लग रहा है। आगामी 10 फरवरी को रिकॉर्ड तोड़ मतदान होने जा रहा है । आज प्रत्येक जाति धर्म के लोगों के साथ सैकड़ों की संख्या में जनमानस मौजूद रहा । इस दौरान रोबिन गुर्जर ,देवेंद्र गुर्जर ,अमित त्यागी माछरा ,मनोज शर्मा गोविंदपुरी, अनिल प्रधान ,दुष्यंत तोमर, संजय प्रजापति ,नईम तोमर ,सबोध शर्मा, सरदार जय सिंह ,विशाल चौधरी ,मैनपाल गुज्जर डेरियो ,पंकज गुर्जर राछेती ,नीरज चौधरी अमरपुर, धर्मेंद्र खटाना हशनपुर,रमन कौशिक, पप्पू गुर्जर सेतकुआ,राजू भडाना, अमित धनतला , फिरेराम गुर्जर, भड़ाना ,राहुल मावी ,नरेंद्र तोमर, आदेश त्यागी बिजौली,अश्वनी त्यागी माछरा ,संजय त्यागी उपाध्यक्ष किसान मोर्चा एवं देवतुल्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुआवजे व पेयजल आपूर्ति को लेकर 44 वें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

संवाददाता

चांदपुर । मध्य गंगा नहर फेज 2 खंड 3 अमरोहा कार्य प्रगति के मध्य क्षेत्र के ग्राम पृथ्वीपुर और अकौधा के लिंक मार्ग पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के बैनर तले ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह काकरान के नेतृत्व में किसानों ने पशु शाला के मुआवजे तथा पेयजल आपूर्ति को लेकर 44 वे दिन भी धरना जारी रखा लेकिन 44 दिन तक लगातार धरने पर बैठने के बाद भी किसानों की कोई सुनवाई नही हुई सुनवाई न होने से किसानों में बहुत रोष पनप रहा है सिंचाई विभाग के कुछ अधिकारी और बिजनौर एस एल ओ बंसल जी के द्वारा झूठे आश्वासन से किसानों का लोकतंत्र से विश्वास उठता जा रहा है किसान नेताओं ने अधिकारियों की नाकामी में मौजूदा सरकार को भी दोषी बताया क्योंकि पिछले 44 दिन से धरना चल रहा है और बिजनौर एस एल ओ तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर सरकार का कोई कंट्रोल नहीं है धरने पर बैठे किसानों ने बताया की इन चुनिंदा अधिकारियों की वजह से किसानों की नाराजगी का सरकार को भारी खामियाजा उठाना पड़ सकता है अगर समय रहते अधिकारियों ने उचित कदम नहीं उठाया तो किसान कोई ना कोई बड़ा फैसला अवश्य लेंगे जिसकी जिम्मेदारी सिंचाई विभाग एस एल ओ बिजनौर की होगी जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह काकरान ने कहा कि जब तक किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा धरना अनिश्चितकालीन चलता रहेगा धरना स्थल पर मुख्य रूप से जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह काकरान

तहसील प्रभारी महेंद्र सिंह
जिला संगठन मंत्री ओमकार सिंह
ग्राम अध्यक्ष प्रशांत कुमार
देवेंद्र सिंह योगेंद्र सिंह रामपाल सिंह अंकित कुमार गिरिराज सिंह भूदेव सिंह भूरे सिंह मुकुल चौधरी राजवीर सिंह आदि किसान अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर डटे हुए हैं।

दरियाबाद से सपा का टिकट 'गोप' को, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

आशीष सिंह

दरियाबाद, बाराबंकी। 270 विधानसभा दरियाबाद क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप को सपा ने विधानसभा प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारा है। गोप के यहां पर

आ जाने से दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। अपने कार्यों को लेकर हमेशा चर्चित रहे गोप पहली बार विधानसभा क्षेत्र दरियाबाद से चुनाव लड़ने जा रहे है, दरियाबाद क्षेत्र क्षत्रिय और ब्राह्मणों का गढ़ है ही, साथ ही साथ यादव वोट बैंक के साथ - साथ अन्य वर्ग के लोगों से भी अच्छा समर्थन मिलने की उम्मीद रहेगी। खैर यह तो आने वाला समय तय करेगा कि दरियाबाद की जनता किसे अपना नेता चुनेगी। वही एक तरफ जहां गोप के आ जाने से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं दूसरी तरफ कहीं न कहीं पूर्व में संभावित प्रत्याशियों के कार्यकर्ताओं में भी उनके प्रत्याशी को टिकट न मिलने से मायूसी की झलक साफ - साफ देखने को मिली है।

भाजपा सरकार ने नौजवानों को सिर्फ लाठीचार्ज और बेरोजगारी का अभिशाप दियाः अखिलेश

■ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने नौजवानों को सिर्फ लाठीचार्ज और बेरोजगारी का अभिशाप दिया है। हर साल 70 लाख नौकरी का वादा करने वाली भाजपा की सरकार 4 लाख नौकरी देने की फर्जी घोषणा की, लेकिन उनके नाम पता नहीं बताती है। लाखों नौजवान कोरोना संक्रमण के दौर में अपनी नौकरियां गवां चुके है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार भी नौजवानों को कोरे-आश्वासन देती रही है और भटकाने के लिए झूठे आंकड़ों के विज्ञापन छपवाती है।

प्रयागराज में अपने रोजगार के लिए हक की आवाज बुलन्द करने वाले बेगुनाह छात्रों पर पुलिस ने जिस बर्बरता से प्रहार किया वह घोर निंदनीय है। नौजवानों ने भी इस बार इरादा कर लिया है कि वह भाजपा के ऐतिहासक पतन का उदाहरण होगा। यूपी टीइटी परीक्षा में अभ्यर्थियों के साथ सरकार अन्याय करने से बाज नहीं आई है।

सत्ता के संरक्षण में अंधी हो चुकी पुलिस की निर्ममता के उदाहरण बढ़ते ही जा रहे हैं। लखीमपुर में पिछले दिनों एक 16 साल के बच्चे को चोरी के जुर्म में थाने के अंदर पीट-पीट कर मार दिया गया। वीभत्सता के ऐसे चेहरे भाजपा सरकार में आम हो चुके है। लखीमपुर में ही शांतिप्रिय किसान प्रदर्शनकारियों को एक केन्द्रीय मंत्री के बेटे ने जीप चढ़ाकर कुचल दिया। युवाओं को रोजगार के अलावा लैपटॉप और वाईफाई का फ्री कनेक्शन का वादा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किया था। उसने इन वादों को भी वैसे ही कूड़े के ढेर में डाल दिया।

यूपी में थम रही है तीसरी लहर की रफ्तार, 1.93 लाख टेस्ट, मिले बस 8901 मरीज

■ लखनऊ

- 98 फीसद मरीजों को अस्पताल की जरूरत नहीं, घर पर ही हो जा रहे स्वस्थ
- पहली डोज 100 प्रतिशत के करीब, 98.58 प्र. को लग गई पहली डोज

उत्तर प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर की रफ्तार थमती नजर आ रही है। ताजा स्थिति के मुताबिक एक ओर जहां दैनिक पॉजिटिविटी दर में गिरावट देखी जा रही है, वहीं नए केस और एक्टिव केस की संख्या भी दिनों-दिन कम होती जा रही है। विगत 24 घंटों में 01 लाख 93 हजार 419 कोरोना टेस्ट किए गए, जिसमें 8901 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 16,786 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए।

गुरुवार को टीम-09 के साथ कोविड के हालात की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुधार के संकेतों को सुखद बताया। उन्होंने कहा कि कोविड से बचाव की हमारी ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण की नीति आशातीत सफलता देने वाली रही है। प्रदेश में तीसरी लहर पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। एक ओर जहां नए केस मिलने की संख्या दिनों-दिन कम हो रही है, वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या उत्साहवर्धक है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस की 72 हजार 393 है। इनमें से 98प्रतिशत से अधिक लोग मामूली लक्षणों के साथ घर पर ही स्वास्थ्यलाभ ले रहे हैं। एक्टिव केस और पॉजिटिविटी दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह अच्छे संकेत हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यह संक्रमण सामान्य फ्लू की तरह है। अतः इससे डरने की नही, सतर्क-सावधान रहने की जरूरत है। सीएम ने निर्देश दिए कि लोगों को कोविड प्रोटोकॉल के पालन हेतु जागरूक किया जाए। वहं टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री को बताया गया कि 25 करोड़ 34 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण के साथ ही अब तक 98.58त्न से ज्यादा वयस्क आबादी को टीके की पहली डोज लग चुकी है, जबकि 66.87त्न लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। इसी तरह, 15-17 आयु वर्ग के 01 करोड़ 40 लाख 40 हजार किशोरों में से 85 लाख 21 हजार से अधिक यानी 61? किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है और 31 जनवरी तक के लक्ष्य के अनुसार पात्र 73त्न लोगों को प्री-कॉशन डोज भी मिल चुकी है। सीएम योगी ने 31 जनवरी तक 100प्रतिशत लोगों को टीके की पहली डोज और 75त्न पात्र नागरिकों को दूसरी डोज लगाने के लक्ष्य के दृष्टिगत टीकाकरण को तेज करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि समस्त प्रदेशवासियों को कोविड टीकाकरण उपलब्ध कराने का हमारा महत्वपूर्ण अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय पर झण्डा रोहण

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय पर 73वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि मुस्लिम वेल्फ़ेयर सोसायटी के अध्यक्ष श्री क़ाज़ी अहमद रज़ा एवं नगर अध्यक्ष श्री मुर्तज़ा अली द्वारा झण्डा रोहण किया गया इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्री रंजीत यादव ,वरिष्ठ नेता श्री बदरूल हसन एडवोकेट ,कर्मचारी नेता श्री ख़ालिद इस्लाम,सलाहकार श्री अफ़ज़ाल सिद्दीक़ी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी कार्यकारिणी के सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे ।मुख्य अतिथि श्री अहमद रज़ा ने देश की आज़ादी में बलिदान देने

वाले शहीदों को याद करते हुए कहा कि आज़ादी दिलाने में सभी का खून शामिल है जिसे भुलाया नहीं जा सकता है ।अध्यक्ष श्री मुर्तज़ा अली ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान ने जो हमें मौलिक अधिकार दिये हैं उसमें वोट डालने का सबसे बड़ा अधिकार है इसी अधिकार के सहारे हम अच्छे उम्मीदवार को चुन कर सदन भेज सकते हैं अगर हमने अपने अधिकार का प्रयोग नहीं किया तो ग़लत व्यक्ति चुना जायेगा और सरकार ग़लत लोगों के हाथ में रहेगी जिससे सभी का नुकसान होगा ।

जनपद की आठ विधानसभा से 8 उम्मीदवारों सहित 43 नामांकन प्रस्तुत पत्र प्रस्तुत हुए

■ बिजनौर

जिले की आठों विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों एवं आजाद उम्मीदवारों द्वारा कुल 43 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए। उन्होंने विधानसभा वार प्रस्तुत किए गए नामांकन की जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र 17 नजीबाबाद के अंतर्गत सर्वश्री श्रवण राजपूत, आम आदमी पार्टी से, भारतीय जनता पार्टी से भारतेंद्र सिंह, समाजवादी से तस्लीम अहमद, बहुजन समाज पार्टी से शाहनवाज आलम, गरीब क्रांति पार्टी से मोहम्मद उमर, इंडियन नेशनल कांग्रेस से मोहम्मद सलीम अंसारी तथा शाहरुख खलील और ओमप्रकाश द्वारा आजाद उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए। विधानसभा क्षेत्र 18 नगीना के अंतर्गत आम आदमी पार्टी से अर्जुन सिंह, कांग्रेस से हैनरीता, पीपल पार्ट पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक से अभिनय कुमार, बृजपाल सिंह तथा चंद्रवीर सिंह द्वारा आजाद उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया गया।

विधानसभा क्षेत्र 19 बढ़ापुर के अंतर्गत शबनम नाज तथा अनिल कुमार द्वारा आजाद प्रत्याशी के रूप में, निर्मल मिश्रा आम आदमी पार्टी, चंद्रपाल लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी, हदेश कुमार पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक तथा एहसान अली द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए। 20 धामपुर के तहत बीजेपी से अशोक कुमार राणा, बीएसपी से ठाकुर मूलचंद चौहान, कांग्रेस से हुसैन अहमद, समाजवादी पार्टी से नईम उल हसन तथा ज्योति किरण द्वारा आजाद उम्मीदवार के रूप में पर्चा दाखिल किया गया। विधानसभा क्षेत्र 21 नहटौर के तहत भारतीय दमित जन पार्टी से प्रताप सिंह, बहुजन समाज पार्टी से प्रिया सिंह, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमक्रेटिक से दिलावर सिंह तथा कांग्रेस से मीनाक्षी द्वारा नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए। विधानसभा क्षेत्र 22 बिजनौर से सूची द्वारा भारतीय जनता पार्टी से, उमेश चंद आजाद उम्मीदवार के रूप में, गौरव कुमार पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक, अमीरुद्दीन भारतीय जन सम्मान पार्टी तथा अकबरी द्वारा कांग्रेस पार्टी से पर्चा दाखिल किया गया। 23 चांदपुर विधानसभा क्षेत्र से स्वामी ओमवेश समाजवादी पार्टी, शकील अहमद बहुजन समाज पार्टी तथा उदय त्यागी द्वारा कांग्रेस से नामांकन पत्र प्रस्तुत किया गया।

न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल एवं पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के कार्यालय पर ध्वजारोहण हुआ

बीकेटी महोना लखनऊ। गणतंत्र दिवस के मौके पर न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल महोना के प्रबंधक रमेश चंद रावत बाबूजी ने ध्वजारोहण करके बच्चों और शिक्षकों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और विद्यालय प्रांगण में मिठाई बांटी गई प्रबंधक ने सभी बच्चों एवं अभिभावकों को एवं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी वहीं पर पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के कार्यालय नगर पंचायत महोना में

संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद अकील खान ने झंडारोहण करके प्रदेश को खुशहाली और तरक्की के लिए सभी प्रदेशवासियों को मिलजुल कर प्रदेश को आगे ले जाने की आवश्यकता है प्रदेश की खुशहाली और विकास के लिए सब को एकजुट रहने की जरूरत है गणतंत्र दिवस में शामिल एडवोकेट राम कुमार संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान प्रदेश सचिव हाशिम बेग युवा सपा नेता तौहीद खान के अलावा बहुत से नगर पंचायत महोना के गणमान्य लोग मौजूद थे?

दीक्षान्त समारोह कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विवि, बरेली के उन्नीसवें दीक्षान्त समारोह वर्चुअली शुभारम्भ किया।

बेटियां पढ़ती हैं तो सात पीढ़ियों तक ज्ञान का प्रसार होता हैः आनंदीबेन

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के उन्नीसवें दीक्षान्त समारोह का यहां राजभवन से वर्चुअली शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह का यह दिन विद्यार्थी के जीवन में एक महत्वपूर्ण चरण पूर्ण होने का प्रतीक है। विद्यार्थियों ने ज्ञान प्राप्त करने के लिए और सामाजिक-मानवीय मूल्यों को बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं जिन्दगी में हर क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करें। इसके साथ ही कर्तव्यनिष्ठा, नैतिकता, ईमानदारी, करुणा और दया जैसे गुणों को भी अपनाएं और सर्वगुण सम्पन्न होकर प्रदेश और देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दें।

समारोह में राज्यपाल के शुभाशीष के साथ छात्र-छात्राओं को 92 गोल्ड मेडल प्रदान किये गये, जिसमें से 62 गोल्ड मेडल छात्राओं ने प्राप्त किये। बेटियों के अधिक मेडल प्राप्त करने पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि बेटियां पढ़ती हैं तो सात पीढ़ियों तक ज्ञान का प्रसार होता है। वे स्वयं शिक्षित होती हैं तो अपने बच्चों को भी शिक्षा देने में समर्थ होती हैं, हमारी बेटियां उच्च शिक्षा की ओर बढ़ रही हैं। समान अवसर मिलने पर प्रायः

हमारी बेटियां लड़कों से आगे निकल जाती हैं। आज की बेटियों की यह संख्या इसी बात का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने छात्रों को भी अधिक मेहनत कर उपलब्धियां प्राप्त करने को प्रेरित किया। कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को उनके आगामी जीवन में परिवार, समाज और देश के प्रति कर्तव्यशील रहने को कहा। उन्होंने कहा कि आपके जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण में इन सबने आपका साथ दिया है और आपका सहयोग किया है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बदलते समय और संदर्भों के साथ स्वयं को अपडेट रखें। शिक्षक विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को पहचाने और विकसित करें, जिससे विद्यार्थी स्वयं अपने तथा देश एवं समाज के विकास के लिये औपचारिक शिक्षा और प्रतिभा का उपयोग कर सकें। प्रदेश में आगामी विधान सभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत राज्यपाल जी ने अपील की कि 18 वर्ष या उससे अधिक की आयु के विद्यार्थी अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और दूसरों को मतदान के लिए जागरूक एवं प्रेरित करें। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि एवं संघ लोक सेवा आयोग, दिल्ली के अध्यक्ष, डॉ0 प्रदीप कुमार जोशी ने अपने संबोधन में शिक्षा में रोजगारपरक कौशल विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्यों की स्थापना करने वाले विषयों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी के लिए अपने संविधान और मूल कर्तव्यों की जानकारी जरूरी है। डॉ0 कुमार ने विद्यार्थियों को सतत् ज्ञान प्राप्त करते रहने और अपने क्षेत्र में चरमोत्कर्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में राज्यपाल ने क्षय रोग से ग्रसित बच्चों की मदद के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई वेबसाइट का उद्घाटन एवं विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन, कुलपति द्वारा लिखित पुस्तक Incubating startup in Universities रिसर्च कम्पेडियम एवं विश्वविद्यालय की परिनियमावली के नवीनतम संस्करण-2022 का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने किया जिला चिकित्सालय का दौरा

। बिजनौर

कल मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रचार प्रसार के लिए बिजनौर जिला अस्पताल का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने अस्पताल के कोविड वार्ड का निरीक्षण किया उन्होंने पत्रकारों को बताया कि जिला अस्पताल की व्यवस्था उन्हें ठीक-ठाक मिली है कोविड- एक मरीज भर्ती मिला चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि बाकी सारी फॉर्मेलिटी पूरी कर ली गई हैं हैं योगी ने कहा कि कोविड को लेकर उनकी सरकार गंभीर है और तरह से ओमीक्रोन के साथ ही हल्के लक्षण वाले मरीजों का भी गंभीरता पूर्वक उपचार किया जा रहा है इसके बाद उन्होंने किसी भी प्रकार के शायद ही कोई जवाब दिया हो और सीधे काकरान वाटिका होने वाले मतदाता संवाद कार्यक्रम में जा पहुंचे वहीं पर पत्रकारों को अपर पुलिस अधीक्षक ने गेट का रास्ता दिखा दिया कोई भी पत्रकार का करण वाटिका के अंदर नहीं जा सका जो इक्का-दुक्का पत्रकार पहले ही वहां मौजूद थे या फोटोग्राफर मौजूद थे उनके साथ भी कोई अच्छा सलूक नहीं किया गया बल्कि अपर पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों को काकरान वाटिका में नहीं जाने दिया जिसको लेकर पत्रकारों में काफी रोष नजर आया उधर काकरान वाटीका मैं होने वाले मतदाता संवाद कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी पुलिस लाइन में अपने अग्रिम कार्यक्रम को लेकर हेलीकॉप्टर से नजीबाबाद की ओर रवाना हो गए जिस तरह का व्यवहार पुलिस पत्रकारों के साथ कर रही है उससे तो ऐसा लगता है कि पत्रकारों को पुलिस के किसी भी कार्यक्रम में भाग नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह कोई पहला कार्यक्रम नहीं था जहां पर पुलिस ने अपनी दबंगई पत्रकारों को ना दिखाई हो।

अपनी पहचान बनाना चाहती है यूलिया वंतूर

गायिका यूलिया वंतूर का कहना है कि वह सलमान खान की छाया से बाहर निकलकर अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहती हैं। यूलिया वंतूर, सलमान खान की खास दोस्ता होने के नाते चर्चा में रहती हैं। यूलिया इन दिनों वह अपने नए गाना मैं चला को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। गाने में गुरु रंधावा के साथ यूलिया की आवाज को पसंद किया जा रहा है। यह गाना सलमान खान और प्रज्ञा जायसवाल पर फिल्मायया गया है। यूलिया का कहना है कि वह सलमान से इतर अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहती हैं और उनकी छाया में नहीं रहना चाहती है।

यूलिया वंतूर ने कहा, सलमान एक बेहतरीन इंसान हैं और जबरदस्ता कलाकार हैं। आपको उनसे सीखने को बहुत कुछ मिलता है।मुझे अपनी खुद की पहचान के साथ काम करना है। मैं इस पर काम भी कर रही हूं। खासकर इसलिए कि लोग मुझे यहां अच्छी तरह नहीं जानते हैं, इसलिए मेरे लिए यह करना अधिक जरूरी है। सलमान जैसे सुपरस्टा र की %छाया% से निकलने के लिये मुझे एक्सिट्रा एफर्ट लगाने होगें। उनके साथ की वजह से आपको विजिबिलिटी मिलती है, आप दिखते हैं और यह बहुत मदद करता है। लेकिन आखिर में आपको खुद मेहनत करनी है। लोग आपको आपके काम से, आपको यूलिया नाम से पहचान सकें।

भोपाल : अभिनेत्री श्वेता तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में बिग बॉस फेम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के खिलाफ भोपाल के श्यामला हिल्स थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

इस रिपोर्ट में श्वेता पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है।

दरअसल, एक वेब सीरीज के

श्वेता ने मीडिया के सामने कहा था कि 'भगवान' ले रहे मेरे ब्रा का साइज'

प्रमोशन के लिए 26 जनवरी को भोपाल आई श्वेता ने मीडिया के सामने कहा था कि उनकी ब्रा का साइज भगवान ले रहे हैं।

उनके इस बोल को लेकर भोपाल के

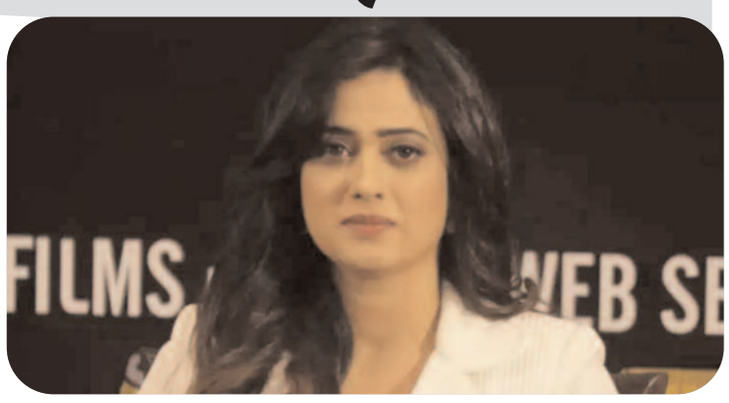

सोनू प्रजापति ने श्वेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इससे पहले राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने श्वेता के बयान पर ऐतराज जताते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर से इस मामले में रिपोर्ट देने को कहा था। अब पुलिस एक्ट्रेस को उनके इस बयान के लिए नोटिस जारी करेगी।

बिग बॉस-15 के फिनाले वीक में फेब-5 टास्क की मेजबानी करेगा रेनी कॉस्मेटिक्स

भारत का प्रमुख ब्यूटी ब्रांड रेनी कॉस्मेटिक्स इस सप्ताह कलर्स पर बिग बॉस को लेकर विशेष रूप से तैयार किए गए टास्क फेब-5 (एफएबी-5) का हिस्सा होगा।

बिग बॉस का जैसे-जैसे फिनाले करीब आ रहा है, विजेता को लेकर उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। लोग जानना चाहते हैं कि अंतिम विजेता कौन होगा, जिसके सिर पर विजेता का ताज सजेगा। इस दौरान दर्शकों को यह देखने का मौका मिलेगा कि क्या शो की महिला प्रतियोगियों में विजेता बनने के लिए फेब-5 गुण हैं।

गतिविधि के एक भाग (पार्ट ऑफ एक्टिविटी) के रूप में, घर की सभी मौजूदा महिला प्रतियोगियों के आदमकद या लाइफ-साइज कट-आउट रखे जाएंगे। उनके बगल में 5 अच्छे गुणों के साथ लेबल किए गए नेक-टैग होंगे, जैसे कि क्रूएल्टी-फ्री, कलरफुल, मस्ट हैव, एक्स-फैक्टर और स्ट्रॉन्ग, जो ब्रांड रेनी की प्रकृति के साथ मेल खाते हैं। मौजूदा पुरुष प्रतियोगियों को एक-एक करके आगे आना होगा और घोषित करना होगा कि विजेता बनने के लिए उन्हें किसके पास ये फेब-5 गुण मिले हैं और उसके कट आउट पर नेक टैग लगाने होंगे।

टास्क के अंत में, महिला प्रतियोगियों को रेनी कॉस्मेटिक्स हैम्पर के साथ पुरस्कृत किया जाएगा।

सह-संस्थापक आशुतोष वालानी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कलर्स पर सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो, बिग बॉस का सार ऐसा है कि इसे आज देश के लगभग हर घर में देखा जा रहा है। शो की भावना हमारे ब्रांड की महत्वाकांक्षा के साथ सही तालमेल बिठाती है। हम आक्रामक रूप से भारत में एक घरेलू नाम और हर महिला की पहली पसंद बनने की ओर बढ़ रहे हैं। हम अपने मार्केटिंग प्लान में बिग बॉस को शामिल करने से नहीं चूक सकते थे, क्योंकि अगर कोई निकल रहा है तो यह सबसे अच्छे चरणों (स्टेज) में से एक है।

एक ब्रांड के रूप में, रेनी ने अपने अभूतपूर्व नवाचार (इनोवेशन) और फैब-5-इन-1 और फैब 5-इन-1 न्यूड लिपस्टिक को पेश करके सौंदर्य की दुनिया की बाधाओं को दूर कर दिया है। ब्रांड सही अनुपात में सोशल मीडिया, ओटीटी और टेलीविजन को शामिल करते हुए पूरी मार्केटिंग रणनीति पेश कर रहा है। वर्तमान भागीदारी के साथ, इसने अपने व्यापक दर्शकों के सामने प्रस्तुत करते हुए, सौंदर्य क्षेत्र में अपना कठोर दृष्टिकोण स्थापित किया है और यह रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए आक्रामक रूप से तत्पर रहेगा।

'बेस्टसेलर' के जरिए वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखेंगे मिथुन चक्रवर्तीज इस किरदार में आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती जल्द वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखेंगे।

निर्माताओं ने दावा किया कि आठ एपिसोड वाली 'बेस्टसेलर' में जबरदस्त प्राइम वीडियो ने शुक्रवार को बताया कि मिथुन उसकी आगामी थ्रिलर सीरीज 'बेस्टसेलर' में एक अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

इस वेब सीरीज में श्रुति हासन, अरजन बाजवा, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी भी अहम भूमिका निभाएंगे।

प्राइम वीडियो के मुताबिक, 'बेस्टसेलर' की स्क्रिप्ट अनविता दत्ता और अल्थिया कौशल ने लिखी है। इसके निर्देशन का जिम्मा मुकुल अभ्यंकर संभाल रहे हैं।

सस्पेंस होगा, जिसे देख दर्शक दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे। एल्केमी प्रोडक्शन एलएलपी के बैनर तले बन रही इस वेब सीरीज का प्रसारण 18 फरवरी से शुरू होगा।

एल्केमी प्रोडक्शन एलएलपी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, 'प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी एक लंबी दोस्ती की शुरुआत है। 'बेस्टसेलर' उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसमें मनुष्य के स्वभाव के कई रंग देखने को मिलेंगे।'

गुरमीत चौधरी और अर्जुन बिजलानी का गाना दिल पे ज़ख्म का टीजर रिलीज

अभिनेता गुरमीत चौधरी और अर्जुन बिजलानी का गाना दिल पे ज़ख्म का टीजर रिलीज हो गया है। टी सीरीज का गाना दिल पे ज़ख्म में गुरमीत चौधरी और अर्जुन बिजलानी एक साथ नज़र आयेंगे। जुबिन नौटियाल द्वारा स्वरबद्ध किए गए गाना दिल पे ज़ख्म के संगीत वीडियो में गुरमीत और अर्जुन एक अच्छे दोस्त के रूप में नज़र आयेंगे, और उनके साथ काशिका कपूर दिखाई देंगी।

गुरमीत चौधरी ने कहा, यह देखना बहुत ही दिलचस्प है कि समय बहुत तेजी से निकल रहा है। हमने अपने करियर की शुरुआत साथ में की थी और अब भूषण कुमार के लिए एक बार फिर से साथ में आ रहे हैं, जिनके कांसेप्ट बहुत ही अद्भुत होते हैं। इस गाने को जुबिन द्वारा स्वरबद्ध किए जाना सोने पर सुहागा वाली बात है।शूट के दौरान मैं और अर्जुन एक दूसरे से काफी बातें किया करते थे, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है, बातचीत के दौरान काफी पुरानी यादें ताज़ा हो गईं।

अर्जुन बिजलानी ने कहा, भूषण कुमार और गुरमीत के साथ काम करके मैं बेहद खुश हूं। यह देखना बहुत ही अद्भुत है कि किस तरह मैंने और गुरमीत ने अपने करियर की शुरुआत की और आज हम कहां पहुंच गए हैं।

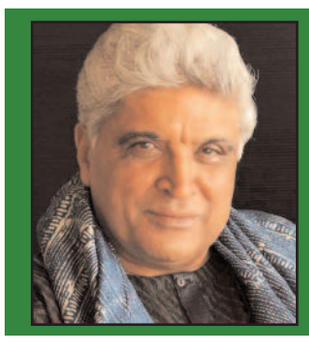

जावेद अख्तर ने सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा को लेकर दी प्रतिक्रिया

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इंडिया गेट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भव्य प्रतिमा लगाये जाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा था कि जब तक नेताजी बोस की भव्य प्रतिमा पूरी नहीं हो जाती, तब तक उनकी होलोग्राम प्रतिमा उसी स्थान पर मौजूद रहेगी। इसका अनावरण प्रधानमंत्री ने नेताजी की जयंती पर 23 जनवरी को किया था।

वहीं अब इसे लेकर मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जावेद अख्तर ने गुरुवार को ट्वीट कर लिखा-नेताजी की प्रतिमा का विचार तो अच्छा है लेकिन प्रतिमा को लेकर पसंद सही नहीं है। सारे दिन इस प्रतिमा के ईर्द-गिर्द ट्रैफिक चलता रहेगा और प्रतिमा का पोज सैल्यूट करते हुए होगा। यह उनकी प्रतिष्ठा के मुताबिक नहीं है। प्रतिमा में वह या तो बैठे हुए होते या फिर अपने हाथ को हवा में लहराते हुए जैसे कोई नारा लगा रहे हों।

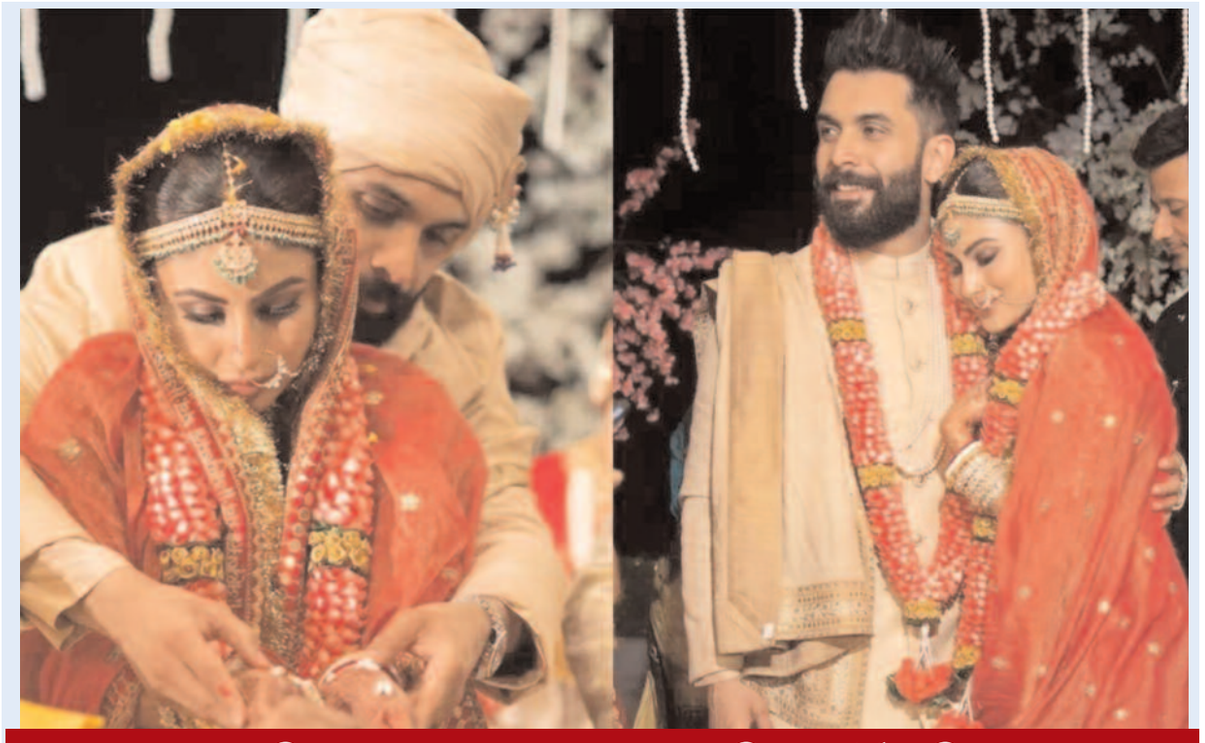

बंगाली ब्राइडल बनी मौनी रॉय की शादी की तस्वीरें हुईं वायरल

जानी-मानी अभिनेत्री मौनी रॉय ने बीते दिन 27 जनवरी को अपने बॉयफ्रेंड सूरज नंबियार संग सात फेरे ले लिए। लेकिन खास बात यह है कि मौनी और सूरज ने एक नहीं, बल्कि दो-दो रीति रिवाजों से शादी रचाई है। गुरुवार की सुबह दोनों ने मलयाली रीति रिवाज से शादी की। इस दौरान मौनी रॉय ने व्हाइट कलर की रेड बॉर्डर वाली खूबसूरत साड़ी के साथ ही गोल्डन जूलरी कैरी की थी।वहीं सूरज ने शादी के दौरान गोल्डन कलर का कुर्ता और सफेद कलर की धोती पहने हुए नजर आये। सूरज नंबियार साउथ इंडियन हैं इसलिए यह शादी पहले उनकी परम्परा के अनुसार हुई। इसके बाद गुरुवार की शाम को यह शादी मौनी की परम्परा के अनुसार बंगाली रीती रिवाज से हुई। जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

तस्वीरों को मौनी ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ साझा किया है। इन तस्वीरों में मौनी लाल रंग के लहंगे में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं।मौनी द्वारा साझा की गईं ये तस्वीरें मंडप की हैं, जहां वह सूरज संग सात वचनों को

निभाते हुए सात फेरे ले रही हैं। वहीं एक अन्य तस्वीर में अदाकारा मौनी रॉय की मांग में सूरज ने प्यार से सिंदूर भरते हुए नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए मौनी ने लिखा-सखा सप्तपदा भव। सखायौ सप्तपदा बभूव। सख्यं ते गमेयम। सख्यात् ते मायोषम। सख्यान्मे मयोष्ठाः। मौनी और सूरज की शादी की यह तस्वीरें वायरल हो रही है। वहीं मौनी द्वारा साझा की गई इस श्लोक का अर्थ होता है -तुमने मेरे साथ मिलकर सात कदम चले हैं, इसलिए मेरी दोस्ती स्वीकार करो। हमने एक साथ सात कदम चले हैं, इसलिए मुझे तुम्हारी मित्रता स्वीकार करने दो। मुझे अपनी दोस्ती से अलग मत होने देना।

सोशल मीडिया पर मौनी और सूरज की तस्वीरें सामने आने के बाद उनके तमाम चाहनेवाले उन्हें शादी की बधाई दे रहे हैं। मौनी और सूरज की शादी में गोवा में हुई जिसमें परिवारवाले और कुछ खास दोस्त ही शामिल हुए। इस शादी में इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से मौनी की खास दोस्त मंदिरा बेदी, अर्जुन बिजलानी, मीत ब्रदर्स आदि ने शिरकत की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार मौनी और सूरज की पहली मुलाकात साल 2019 में दुबई में नए साल के मौके पर हुई थी। इसके बाद दोनों दोस्ती हो गई और दोनों धीरे -धीरे एक -दूसरे को पसंद करने लगे। एक -दूसरे को लगभग तीन साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 27 जनवरी को शादी रचा ली और हमेशा के लिए एक हो गए।

'गंगूबाई काठीवाड़ी' की रिलीज डेट में बदलाव

संजय लीला भंसाली की मच अवेटेड फिल्म गंगूबाई काठीवाड़ी काफी समय से चर्चा में है। इस फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ अभिनेता अजय देवगन भी लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 6 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने एक बार फिर से इस फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया है और अब यह फिल्म इसी साल 25 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। %गंगूबाई काठियावाड़ी% की घोषणा अक्टूबर 2019 में की गई थी। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब के एक चैप्टर माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। इस फिल्म में साठ के दशक की मुंबई को दिखाया जाएगा। गंगूबाई को कमाठीपुरा की क्वीन भी कहा जाता था। वह सेक्स वर्कर्स के लिए गॉडमदर बन गई और लोग उन्हें गंगू माँ कहकर पुकारने लगे थे। गंगूबाई का नाम गंगा हरजीवनदास

काठियावाड़ी था, वह गुजरात के काठियावाड़ की रहने वाली थीं। संजय लीला भंसाली के साथ आलिया भट्ट की यह पहली फिल्म है। संजय लीला भंसाली और जयंतीलाल गोयल द्वारा निर्मित यह फिल्म 25 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऋतिक रौशन की 'अग्निपथ' के प्रदर्शन के 10 साल पूरे

बॉलीवुड के माचो हीरो ऋतिक रौशन की फिल्म अग्निपथ के प्रदर्शन के 10 साल पूरे हो गये हैं। करण जौहर निर्मित फिल्म अग्निपथ में ऋितक रौशन ने मुख्य भूमिका निभायी थी। फिल्म के प्रदर्शन के 10 साल पूरे हो गये हैं। ऋतिक रौशन ने अग्निपथ के 10 साल पूरा होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है, और इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का वीडियो भी फैन्स के साथ साझा किया है। ऋतिक रौशन ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, साल साल बीत भी गए...इसके ख्याल ने ही मुझे उस चिंता और भारी जिम्मेदारी की याद दिला दी है जो मुझे अग्निपथ के रीमेक का हिस्सा बनने पर महसूस हुई थी। विजय दीनानाथ चौहान के मेरे वर्जन को मौका देने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रतिभाशाली करण मल्होत्रा, करण जौहर के गाइडेंस में धर्मा की अद्भुत टीम, मेरी प्यारी प्रियंका चोपड़ा, संजय दत्त सर और शानदार कास्ट क्रू को मेरा प्यार। ऋषि अंकल के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे करियर में हमेशा माइलस्टोन रहेगा।

शिशु की अच्छी सेहत के लिए सफाई जरूरी

माता-पिता की छोटी सी भूल शिशु की सेहत पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो स्वच्छता से जुड़े नियम जिन्हें हर माता-पिता को ध्यान रखना चाहिए।

ज्यादा देर तक एक ही डायपर में रहने से शिशु की त्वचा पर रैशेज हो सकते हैं। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वो समय-समय पर बच्चे का डायपर बदल दें। ऐसा करने से न सिर्फ बच्चे की स्किन सुरक्षित रहेगी बल्कि बच्चा बैक्टीरिया और जर्म्स दोनों की चपेट से दूर रहेगा।

शिशु को रोजाना नहलाने से न सिर्फ उसका शारीरिक विकास होता है बल्कि वो अधिक फ्रेश भी महसूस करता है। इसके अलावा बच्चे को नहलाने से वो जर्म्स और बैक्टीरिया की चपेट से भी दूर रहता है।

बच्चे के साथ-साथ उनके खेलने के सामान की भी साफ-सफाई बेहद जरूरी है। इसके लिए आप उनके खिलौनों को भी साफ और गर्म पानी से धोकर रखें। इससे अलग यदि आपका बच्चा फर्श पर खेल रहा है तो जमीन को भी अच्छे से साफ करें।

छोटे बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है। ऐसे में हाथों में लगे जर्म्स और बैक्टीरिया की चपेट में शिशु जल्दी आ जाते हैं और उन्हें फ्लू या अन्य संक्रमण जल्दी घेर लेते हैं। ऐसे में बच्चे को गोद में लेने से पहले अपने हाथों को साबुन से कम से कम 20 सेकंड तक साफ करें।

बच्चों के नाखून अगर लंबे हों तो वो शिशु को संक्रमित करने के साथ उन्हें चोट भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वो शिशु के नाखूनों को साफ रखने के साथ समय-समय पर काटते रहें। ऐसा करने से वो बैक्टीरिया संक्रमण के साथ खुद को चोट पहुचाने से भी बच जाएंगे।

भारत में 15 साल से छोटी 46 प्रतिशत बच्चियों में खून की कमी

भारत में 15 साल से कम उम्र की 46 फीसद बच्चियों में खून की कमी (एनीमिक) है। जनवरी 2015 से लेकर नवंबर 2021 तक एकत्रित किए गए हीमोग्लोबिन के नमूनों के नतीजों पर आधारित डेटा एनालिटिक्स रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

एसआरएल डायग्नोस्टिक्स द्वारा सात वर्षों की अवधि में कुल 8,57,003 बच्चियों के नमूनों को जांचा गया था, जिनमें से 13 फीसदी से अधिक नमूनों में खून की बेहद कमी पाई गई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार, भारत में आधे से ज्यादा (55 प्रतिशत) महिलाएं रक्तहीनता (एनीमिया) से पीड़ित हैं। वहीं, 55 प्रतिशत किशोरियां एनीमिक हैं। अन्य विकासशील देशों की तुलना में भारत में हर आयुवर्ग में एनीमिया की व्यापकता ज्यादा है।

वहीं, भारतीय राज्यों की बात करें तो 72 प्रतिशत विवाहिताओं में रक्तहीनता के साथ असम सर्वाधिक प्रभावित है। इसके बाद हरियाणा (69.7 प्रतिशत) और झारखंड (68.4 प्रतिशत) का नंबर है। आंकड़े दर्शाते हैं कि हर दूसरी महिला एनीमिक है और हर पांच में से एक मातृ मृत्यु सीधे एनीमिया के कारण होतीयह है।

कम गंभीरता से लिये जाने वाले एनीमिया के लिए भारत में एक बहु-स्तरीय दृष्टिकोण की जरूरत है, जिसमें उच्चस्तरीय जागरुकता निर्माण, बर्ताव में बदलाव और महिलाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य जरूरतों से जुड़े सामाजिक मानकों को चुनौती देना शामिल है। वैश्विक स्तर पर, एनीमिया ने 1.62 अरब लोगों को प्रभावित किया है, जो जनसंख्या का 24.8 प्रतिशत है।

कोरोना असर

बच्चे चिड़चिड़ा हो रहे हैं, तो करें ये उपाय

पैरेंट्स को खाने की एक लिस्ट तैयार करनी चाहिए। इसमें उन्हें ये नोट करते रहना चाहिए कि उनके बच्चे को कौन सा फूड पसंद आ रहा है और कौन सा नहीं। इसके अलावा बच्चों को तेज गंध वाले फूड्स से दूर रखना चाहिए। उन्हें सादा भोजन खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे उन्हें गंध और स्वाद की समस्या ज्यादा परेशान नहीं करेगी और वे आसानी से खाना खा पाएंगे।

ब्रिटेन में हुई एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि जो बच्चे कोरोना संक्रमण होने के बाद से खाने-पीने को लेकर चिड़चिड़ कर रहे हैं, उन्हें पोस्ट-कोविड लक्षण हो सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया और फिफ्थ सेंस नाम की एक चैरिटी आर्गनाइजेशन ने यह रिसर्च की है। इसमें वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के कारण होने वाले पारोस्मिया डिसऑर्डर पर चर्चा की है। पारोस्मिया एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें लोगों को खाने की चीजों से बदबू और गंदा स्वाद आता है। ये बदबू सड़े हुए अंडे, मांस और कैमिकल जैसी होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कोरोना के दौरान और उससे रिकवर होने के बाद भी कई लोगों में ये डिसऑर्डर बना रहता है। रिसर्च में पाया गया है कि कई मामलों में बच्चों को भी कोरोना के बाद पारोस्मिया डिसऑर्डर हो सकता है। यही कारण है कि बच्चे कोविड रिकवरी के बाद खाने-पीने में आनाकानी करते हैं।

टीनएज बच्चों की समस्या

यूनिवर्सिटी प्रोफेसर फिलपॉट ने बताया कि वे अपने करियर में पहली बार टीनएज बच्चों में पारोस्मिया डिसऑर्डर को देख रहे हैं। वे कहते हैं, मेडिकल फील्ड के कुछ एक्स्पर्ट्स ने इस समस्या की पहचान अब तक नहीं की है। वो इस समस्या को बिना जाने ही ये मान लेते हैं कि बच्चे खाने को लेकर परेशान करते ही हैं।

फिलपॉट का कहना है कि जो बच्चे पहले से ही ठीक से नहीं खाते थे या जिन्हें ऑटिज्म डिसऑर्डर है, उनके लिए इस पोस्ट-कोविड लक्षण से गुजरना और कठिन है। फिफ्थ सेंस चैरिटी के डंकन बोक कहते हैं कि उनके सामने ऐसे कई मामले आए हैं जिनमें कोरोना होने के बाद से बच्चों के खाने-पीने में बदलाव आया है।

पहले भी हो चुकी ऐसी ही रिसर्च

नेचर जेनेटिक्स जर्नल में प्रकाशित हुई एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने पाया था कि बच्चों में पारोस्मिया डिसऑर्डर के मामले सामने आ रहे हैं। रिसर्च में इसका कारण कोरोना से होने वाली परेशानियों को माना गया था। शोधकर्ताओं ने यह भी जानकारी दी थी कि पारोस्मिया डिसऑर्डर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखा जाता है। साथ ही, जिन लोगों को कोरोना संक्रमण होने के बाद ये लक्षण आता है, उनकी उम्र दूसरों के मुकाबले कम होती है।

बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

डंकन बोक कहते हैं कि पैरेंट्स को खाने की एक लिस्ट तैयार करनी चाहिए। इसमें उन्हें ये नोट करते रहना चाहिए कि उनके बच्चे को कौन सा फूड पसंद आ रहा है और कौन सा नहीं। इसके अलावा बच्चों को तेज गंध वाले फूड्स से दूर रखना चाहिए। उन्हें सादा भोजन खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे उन्हें गंध और स्वाद की समस्या ज्यादा परेशान नहीं करेगी और वे आसानी से खाना खा पाएंगे।

बोक कहते हैं कि खाने के वक्त बच्चे की नाक बंद करने के लिए एक नोज क्लिप भी खरीद सकते हैं। पारोस्मिया डिसऑर्डर से जल्द रिकवरी के लिए आप बच्चों को स्मेल ट्रेनिंग भी दे सकते हैं। इसमें बच्चों को दिन में दो बार चार अलग-अलग तरह की गंध सुंघानी होती है।

बच्चों को मूंगफली खिलाने के फायदे

शोध

मूंगफली का सेवन आमतौर पर हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। हममें से ज्यादातर लोग मूंगफली और उससे बने प्रोडक्ट्स का सेवन करते हैं। मूंगफली एक ऐसा स्नैक्स है, जिसे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी पसंद करते हैं। लेकिन मूंगफली का सेवन सभी के लिए फायदेमंद नहीं होता। क्योंकि कुछ लोगों को मूंगफली से एलर्जी होती है। मूंगफली के सेवन से होने वाली समस्या से अगर आप अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं तो उन्हें छोटी उम्र में ही मूंगफली का सेवन शुरू कराएं। प्रतिष्ठित पत्रिका द लैंसेट में प्रकाशित शोध में सामने आया है कि छोटी उम्र से बच्चों को मूंगफली का सेवन शुरू कराने से पीनट एलर्जी से बचाया जा सकता है।

मूंगफली प्रोटीन से भरा एक सस्ता और बढ़िया स्नैक्स है, लेकिन कुछ लोगों को ये एलर्जी करती है। इसे खाते ही उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने लगती हैं। ये समस्या विश्वभर में बच्चों से लेकर बड़ों तक में देखी जा रही है। इस समस्या से निजात पाने के लिए वैज्ञानिक सलाह देते हैं कि बच्चों को कम उम्र में ही मूंगफली का सेवन कराए जाए। इससे उन्हें पीनट एलर्जी से बचाया जा सकता है।

शोधकर्ताओं ने अपने शोध में पीनट एलर्जी से जूझ रहे जीरो से तीन साल तक के बच्चों को शामिल किया। इनमें से 96 बच्चों को हर दिन मूंगफली प्रोटीन का पाउडर दिया गया। इनकी खुराक को धीरे-धीरे बढ़ाया गया। जबकि अन्य बच्चों को जई के आटे से बनी खुराक दी गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन बच्चों को पीनट डाइट दी गई थी, उनमें से बीस बच्चों में पीनट एलर्जी की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई थी और थैरेपी दिए जाने के छह महीने बाद उनमें पीनट एलर्जी के कोई लक्षण नहीं नजर आए। इनमें से हर बच्चा कम से कम सोलह मूंगफली की बराबर खुराक सहन कर सकता था। शोधकर्ता स्टेसी जोंस ने कहा कि कम उम्र में मूंगफली के सेवन से इससे संबंधित एलर्जी का खतरा कम हो जाता है। इस थैरेपी का सबसे ज्यादा असर 12 महीने की उम्र के बच्चों में देखा गया जो जल्द ही एलर्जी की समस्या से दूर हो गए थे।

दो प्रतिशत बच्चे होते हैं प्रभावित

शोधकर्ताओं का कहना है कि पश्चिमी देशों में पीनट एलर्जी से दो प्रतिशत बच्चें प्रभावित होते हैं, जो उम्रभर इससे जूझते रहते हैं। हालांकि प्रभावित बच्चों को मूंगफली का सेवन नहीं करना चाहिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि पीनट एलर्जी के लक्षण तब भी सामने आ सकते हैं, जब किसी व्यक्ति ने मूंगफली खाई हो और बच्चे के संपर्क में आ गया हो। इस एलर्जी के उपचार का कोई विकल्प अभी नहीं है, जो बच्चों में जोखिम को काफी बढ़ा देता है।

शोध

हम जो देखते हैं वह मस्तिष्क की अंतिम 15 सेकेंड की दृश्य जानकारी का मिश्रण होता है

हमारी आंखों के सामने से लगातार बड़ी मात्रा में दृश्य जानकारी गुजरती रहती है, जिसमें हमारे चारों ओर फैले लाखों आकार, रंग और कभी-कभी बदलती गति शामिल होती है। मस्तिष्क के लिए, यह कोई आसान काम नहीं है। एक ओर, प्रकाश, देखने का कोण और अन्य कारकों में परिवर्तन के कारण दृश्य दुनिया लगातार बदलती रहती है। दूसरी ओर, पलक झपकने और हमारी आंखों, सिर और शरीर के लगातार गति में रहने से हमारा दृश्य संसार लगातार बदलता रहता है। आंखों के जरिए दिमाग तक पहुंचने वाले इस दृश्य इनपुट के शोर का अंदाजा लगाने के लिए, अपनी आंखों के सामने एक फोन रखें और जब आप घूम रहे हों और विभिन्न चीजों को देख रहे हों तो एक लाइव वीडियो रिकॉर्ड करें।

आपके दृश्य अनुभव के हर पल में आपका मस्तिष्क भी ठीक उसी तरह से गड्डमड्ड छवियों से जूझता रहता है। हालांकि, हमारे लिए चीजों को देखना कभी भी किसी काम जैसा नहीं होता। हमें लगता है कि यह अपने आप होने वाली सहज प्रक्रिया है। किसी वीडियो द्वारा रिकॉर्ड किए जा सकने वाले उतार-चढ़ाव और दृश्य शोर को समझने के बजाय, हम लगातार स्थिर वातावरण का अनुभव करते हैं। तो हमारा मस्तिष्क स्थिरता का यह भ्रम कैसे पैदा करता है? इस प्रक्रिया ने सदियों से वैज्ञानिकों को आकर्षित किया है और यह दृष्टि विज्ञान के मूलभूत प्रश्नों में से एक है।

टाइम मशीन दिमाग

हमारे नवीनतम शोध में, हमने एक नए तंत्र की खोज की, जो अन्य बातों के अलावा, इस भ्रामक स्थिरता की व्याख्या कर सकता है। मस्तिष्क समय के साथ हमारे दृश्य इनपुट को स्वचालित रूप से सुचारू करता है। हर एक दृश्य स्नैपशॉट का विश्लेषण करने के बजाय, हम एक निश्चित क्षण में पिछले 15 सेकंड में हमने जो देखा उसका औसत देखते हैं।

इसलिए, वस्तुओं को एक दूसरे के समान दिखाने के लिए उन्हें एक साथ खींचकर, हमारा मस्तिष्क हमें एक स्थिर वातावरण की कल्पना करने के लिए प्रेरित करता है। दूसरे शब्दों में, मस्तिष्क एक टाइम मशीन की तरह है जो हमें बीते समय में वापस भेजता रहता है। यह एक ऐप की तरह है जो हर 15 सेकेंड में हमारे विजुअल इनपुट को एक इंप्रेशन में समेकित करता है ताकि हम रोजमर्रा की जिंदगी को काबू में रख सकें।

यदि हमारा दिमाग हमेशा वही सब दिखाता रहे जो दृष्टि के माध्यम से उस तक पहुंच रहा है तो, दुनिया एक अराजक जगह की तरह महसूस होगी जिसमें प्रकाश, छाया और गति में लगातार उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। हमें ऐसा लगेगा कि हम हर समय मतिभ्रम का शिकार हैं।

द कन्वरसेशन

दिमाग लगाओ

If

6 + 8 = 12

4 + 10 = 10

12 + 20 = 60

Then

24 + 50 = ?

रंग भरो

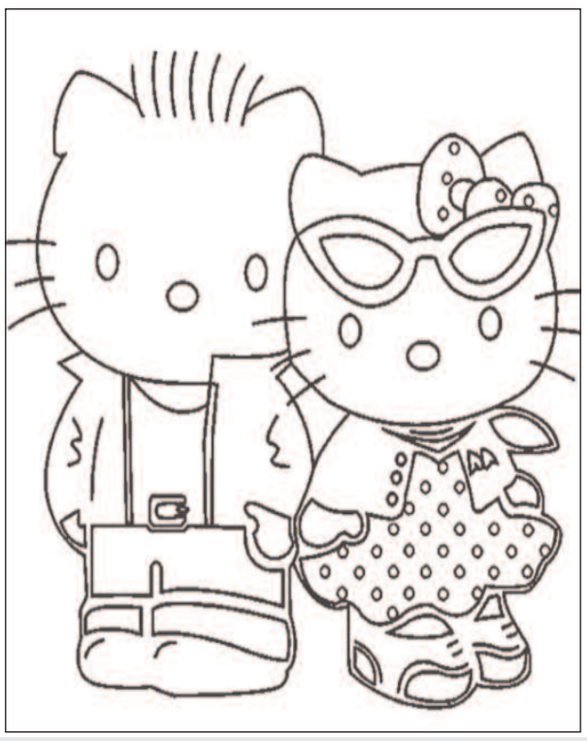

शब्द बनाओ

D	E	Y	E	S	H	A	D	O	W	N	N	B	H
T	U	C	R	I	A	H	O	H	D	M	A	L	P
G	A	B	M	O	C	T	O	A	T	O	S	O	E
O	P	E	R	F	U	M	E	I	R	U	P	W	O
A	N	S	Y	I	O	B	T	R	O	S	A	D	W
T	O	S	O	I	T	E	K	S	T	T	R	R	A
E	P	A	S	D	E	A	B	T	M	A	S	Y	X
E	A	R	A	Z	O	R	Y	Y	A	C	H	E	I
R	A	N	U	A	S	D	A	L	K	H	A	R	N
B	A	I	B	R	U	S	H	E	E	E	M	A	G
S	T	Y	L	I	S	T	R	E	U	U	P	N	P
T	H	D	M	I	R	T	N	S	P	N	O	Y	M
C	P	E	R	M	A	N	E	N	T	I	O	S	P
A	I	C	U	R	L	I	N	G	I	R	O	N	T

PERFUME
HAIRSTYLE
CURLING IRON
MOUSTACHE
BEARD
EYESHADOW
SAUNA
STYLIST
BRUSH
PERMANENT
SHAMPOO
WAXING
GOATEE
BLOWDRYER
MAKEUP
TRIM
RAZOR
HAIRCUT
COMB
SPA

रास्ता ढूंढ़ो

पीकेएल :यूपी योद्धा लड़ते हुए पुनेरी पलटन से हारा

बेंगलुरु। पीकेएल खेलने वाली जीएमआर समूह की फ्रैंचाइज़ी यूपी योद्धा गुरूवार रात पुनेरी पलटन से 44-38 से हार गयी। सुरेंद्र गिल यूपी योद्धा के लिए एक बार फिरसे शीर्ष स्कोरर रहे जिन्होंने सुपर 10 करते साहसिक खेल का प्रदर्शन करते हुए 16 रेड पॉइंट अर्जित किये। हालाँकि, खेल के अंतिम कुछ सेकंड में उनका महत्वपूर्ण मल्टीपॉइंट रेड था जिसने योद्धा को हार के बाद भी मैच से एकांत अंक अर्जित करने में मदद की। यूपी योद्धा के लिए प्रदीप नरवाल और श्रीकांत जाधव ने भी क्रमशः 6 और 5 अंक बटोरे। यूपी योद्धा अब 40 अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

यूपी योद्धा ने खेल के पहले कुछ सेकंड में पलटनों द्वारा सुपर रेड खाते हुए धीमी गति की शुरुआत की। थोड़ा लापरवाही से खेलने के कारण 7वें मिनट में पुनेरी पलटन ने योद्धाओं को 3-9 से पीछे कर दिया। पलटन ने अगले ही मिनट में यूपी योद्धा पर ऑल-आउट करके मैच में आगे की दौड़ लगाई, जिससे स्कोरबोर्ड एक बार फ़ॉर से पुनेरी पलटन के पक्ष में 5-13 हो गया। पहले हाफ में 5 मिनट बचे होने के साथ, श्रीकांत जादव ने नितेश कुमार और सुमित के सक्षम समर्थन के साथ अपने खेल को आगे बढ़ाया और योद्धा ने स्कोर के अंतर को कम करने के लिए वापसी करने की कोशिश की। सुरेंद्र गिल ने एक बार फिर से चमक बिखेरी, जब उन्होंने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में पुनेरी पलटन को ऑल-आउट किया। परिणामस्वरूप योद्धा ने अंतर को और कम कर दिया और पहला हाफ स्कोरबोर्ड के साथ पलटन के पक्ष में 18-21 के साथ समाप्त हुआ।

दूसरे हाफ में यूपी योद्धा ने 25वें मिनट में 26-20 से पिछड़ते हुए जल्दी अंक गंवा दिए। क्षण भर बाद योद्धाओं को 27वें मिनट में एक बार और ऑल-आउट किया गया, और अब उन्होंने खुद को स्कोरबोर्ड में 20-31 से पीछे पाया। सुरेंद्र गिल फिर से एक सुपर प्रदर्शन के साथ यूपी योद्धा की साख बचाने आए और उन्होंने एक मिनट में 8 महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए, जिसमें एक सुपर रेड और फिर पुनेरी पलटन पर ऑल-आउट शामिल था जिससे आगे चलकर बढ़त 32-36 के अंतर से कम कर दिया। हालाँकि, योद्धा आसान अंक देकर अपनी गति को बनाए नहीं रख सके, जिसने उन्हें खेल में केवल दो मिनट शेष रहते हुए 34-42 पर पीछे छोड़ दिया। हालांकि, सुरेंद्र गिल ने खेल के अंतिम सेकंड में एक महत्वपूर्ण मल्टी-पॉइंट रेड के साथ फिर से कदम बढ़ाया और यूपी योद्धा के लिए हार के अंतर को 6 अंकों के भीतर रखा, जिससे उनकी टीम के लिए एक अंक अर्जित हुआ। पुनेरी पलटन द्वारा 38-44 से हराकर मैच खत्म हुआ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के कारण ईसीबी आईपीएल से खिलाड़ियों को कर सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में टीम की तैयारी के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से अपने खिलाड़ियों को बाहर करने का फैसला कर सकता है। मैच दो जून को लॉर्डस में खेला जाएगा।

तेज गेंदबाज मार्क वुड और मध्यक्रम के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो सहित इंग्लैंड के कुछ प्रमुख टेस्ट क्रिकेटर काउंटी के उन 22 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अगले महीने 10 फ्रेंचाइजी की आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है।

हालांकि आईपीएल के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन यह 27 मार्च और मई के अंतिम सप्ताह के बीच आयोजित होने की संभावना है, जिससे इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेटरों को ब्लैककैप के खिलाफ घरेलू सीरीज की तैयारी के लिए बिल्कुल समय नहीं मिलेगा।

यदि इंग्लैंड के क्रिकेटर आईपीएल की पूरी अवधि खेलते हैं, तो यह सबसे अधिक संभावना है कि वे लॉर्डस टेस्ट में नहीं खेलेंगे क्योंकि उनके पास मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन का सामना करने से पहले रेड-बॉल क्रिकेट से कोई तैयारी नहीं होगी।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों या आईपीएल टीमों को उनकी उपलब्धता के बारे में अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन समझा जाता है कि कई फ्रेंचाइजी को संकेत दिया गया है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाड़ियों को शामिल करने की योजना बनानी चाहिए।

बेयरस्टो और वुड के अलावा, डेविड मालन, ओली पोप, क्रेग ओवरटन, सैम बिलिंग्स और डैन लॉरेंस सहित कई अन्य टेस्ट क्रिकेटर भी ईसीबी की योजना में शामिल हो सकते हैं क्योंकि वे ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में हुए एशेज सीरीज का हिस्सा थे। जोस बटलर को राजस्थान रॉयल्स ने बरकरार रखा है। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट, ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और क्रिस वोक्स ने खुद को आईपीएल से बाहर रखा है।

अगले महीने की नीलामी के बाद एक स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी, जो इस बात पर निर्भर करेगी कि इंग्लैंड के क्रिकेटर को कैसे चुना जाता है। हालांकि, पूरी संभावना है कि ईसीबी चाहता है कि टेस्ट के लिए चुने गए खिलाड़ी कीवी टीम के खिलाफ सीरीज से पहले कम से कम एक काउंटी चैंपियनशिप मैच (19 मई से) खेलें।

मुल्तान ने कराची को हराकर पीएसएल की धमाकेदार शुरूआत की

कराची। गत चैम्पियन मुल्तान सुल्तांस ने पाकिस्तान सुपर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में कराची किंग्स को सात विकेट से हरा दिया। लीग की शुरूआत पर हालांकि कोरोना का साया पड़ गया है चूंकि कई खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य पॉजिटिव पाये जाने के बाद पृथकवास में हैं।

मोहम्मद रिजवान के 47 गेंद में नाबाद 52 रन की मदद से मुल्तान ने दस गेंद बाकी रहते तीन विकेट पर 126 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने 16 रन देकर तीन विकेट चटकाये जिसकी वजह से कराची पांच विकेट पर 124 रन ही बना सकी।

कोरोना संक्रमण की वजह से पेशावर जाल्मी के वहाब रियाज और कामरान अकमल जबकि कराची के इमाद वसीम पृथकवास में हैं। स्टार हरफनमौला शाहिद अफरीदी गुरूवार को पॉजिटिव पाये गए और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिये पहले चार मैच नहीं खेल सकेंगे।

कराची के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर भी बाजू में खिंचाव के कारण पहले मैच से बाहर थे।

पहली बार कराची की कप्तानी कर रहे बाबर आजम और शरजील खान लय नहीं बना सके। मुल्तान के लिये डेविड विली और शाहनवाज दहानी ने शुरूआत में काफी किफायती गेंदबाजी की।

इस सीजन दो चरणों में होगी रणजी ट्रॉफी : जय शाह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि रणजी ट्रॉफी इस सीजन में दो चरणों में होगी। शाह ने कहा कि पहले चरण में सभी लीग मैच होंगे जबकि दूसरे चरण का नॉकआउट जून में खेला जाएगा। द हिंदू के मुताबिक, शाह ने कहा, बोर्ड ने इस सीजन में दो चरणों में रणजी ट्रॉफी आयोजित करने का फैसला किया है। पहले चरण में, हम लीग चरण के सभी मैचों को पूरा करने की योजना बना रहे हैं, जबकि नॉकआउट चरण जून में होंगे। मेरी टीम किसी भी तरह की कमी को कम करने के लिए मिलकर काम कर रही है। शाह ने कहा, रणजी ट्रॉफी हमारी सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता है, जो भारतीय क्रिकेट को हर साल एक उल्लेखनीय प्रतिभा पूल प्रदान करती रही है। यह बिल्कुल महत्वपूर्ण है कि हम इस प्रमुख आयोजन के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं।

इससे पहले, बीसीसीआई को देश में कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी और सीनियर महिला टी20 लीग के साथ रणजी ट्रॉफी के 2021/22 सीजन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

रणजी ट्रॉफी में देश भर से 38 टीमें शामिल हैं और यह इस साल 13 जनवरी से शुरू होने वाली थी। कोविड-19 महामारी के कारण प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 85 साल के इतिहास में पहली बार प्रीमियर प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता का 2020/21 सीजन रद्द कर दिया गया था।

बीबीएल:स्मिथ को लेने के लिए सीए ने सिक्सर्स के तीसरे अनुरोध को ठुकराया

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) की ओर से सिडनी सिक्सर्स की तीसरी और आखिरी बोली में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले बीबीएल-11 फाइनल के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने लेने से मना कर दिया है।

एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 26 जनवरी को बीबीएल प्ले-ऑफ से पहले, सिक्सर्स ने स्मिथ को टीम में लाने का प्रयास किया था, लेकिन 13 सदस्यीय टीम को मैदान में उतारने के लिए सीए ने उनके अनुरोध को विफल कर दिया था।

टेस्ट उप-कप्तान स्मिथ ने इस सीजन में सिक्सर्स के साथ अपने अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया था क्योंकि यह माना गया था कि वह एशेज और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण अनुपलब्ध होंगे। लेकिन ब्लैककैप के खिलाफ सीरीज कोविड-19 से संबंधित समस्याओं के कारण स्थगित हो गई, सिक्सर्स ने शेष मैचों के लिए उन्हें अनुबंधित करने के लिए सीए से संपर्क किया।

सीए अपने नियम पर कायम है कि 10 जनवरी को बनाए गए स्थानीय प्रतिस्थापन खिलाड़ियों के केंद्रीय पूल में केवल क्रिकेटरों को चोट या कोविड-19 की स्थिति में दूसरे खिलाड़ी को बीबीएल टीमों द्वारा चुना जा सकता है।

स्मिथ के आधिकारिक रूप से अंतिम ओवर में खेलने की संभावना के साथ, सिक्सर्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स और अनुभवी स्पिनर स्टीव ओकीफ चोटों के माध्यम से खेलेंगे। सिक्सर्स टीम के आधे खिलाड़ी या तो चोट के कारण टीम में नहीं है और या तो वे कोविड से संक्रमित हैं।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हेनरिक्स ने फाइनल से पहले एक और अनुरोध किया कि मार्वल स्टेडियम में फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया के नंबर चार खिलाड़ी को टीम में लाया जाए, लेकिन इसे भी अस्वीकार कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है, स्मिथ खेलने में सक्षम होते अगर उन्हें सेंट्रलाइज्ड प्लेयर रिप्लेसमेंट पूल में जोड़ा जाता, जिन्हें बीबीएल तकनीकी समिति द्वारा चयन करने की आवश्यकता होती।

हेनरिक्स ने इस बात की पुष्टि करते हुए उन्होंने तीसरी बार स्मिथ को शामिल करने के लिए कहा था, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें चोट के बावजूद फाइनल खेलने में सक्षम होना चाहिए।

हेनरिक्स ने कहा, हमने निश्चित रूप से स्मिथ को पूल में शामिल करने के लिए कहा है। जब तक हम स्टीव को नहीं ले सकते, मुझे यकीन नहीं है कि पूल में कोई भी खिलाड़ी ऐसा बचा है जिसे हम लाना चाहते हैं।

हेनरिक्स ने कहा, हमारे पास एक इलेवन को उतारने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी हैं, बस हमें गेंदबाजों को बल्लेबाजी के लिए चुनना होगा।

आईएसएल: हैदराबाद एफसी ने ओडिशा को 3-2 से हराया

गोवा। हैदराबाद एफसी ने ओडिशा के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबला जीतकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में अपने शीर्ष स्थान को मजबूती दी। गुरुवार रात वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले को हैदराबाद ने 3-2 से जीता।

छठी जीत से निजाम्स 13 मैचों में 23 अंक लेकर तालिका के टॉप पर बरकरार हैं। कोच मैनोलो मार्क्युएज की टीम ने छह मैच जीते हैं और पांच ड्रा खेले हैं। वहीं, ओडिशा अपनी छठी हार के बाद सातवें स्थान पर बरकरार है। कोच किनो गार्सिया की टीम 13 मैचों में पांच जीत और दो ड्रा से 17 अंक जुटा चुकी है। मैच में एक गोल करने और एक अस्टिस्ट करने के अलावा बाएं फ्लैंक पर प्रभाव डालने के लिए लेफ्ट बैक आकाश मिश्रा को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

मैच का पहला गोल स्टॉपेज टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में आया और फॉरवर्ड जेरी माविमिंगथांगा ने ओडिशा एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। हैदराबाद की डिफेंस पर हाई-प्रेसिंग के बाद बने हमले में मलयशियाई अटैकिंग मिडफील्डर लिनडोन क्रैस्निकी ने गेंद बॉक्स के अंदर थ्रू पास आगे डाला, जिस पर बायीं तरफ से फॉरवर्ड नंदाकुमार सेकर ने क्रॉस डाला और गेंद हैदराबाद के डिफेंडर से लगने के बाद जेरी के पैरों से गोलपोस्ट के अंदर चली गई। 51वें मिनट में जोएल चेनेसे ने हैडर से

गोल करके हैदराबाद को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। बाएं फ्लैंक पर आकाश मिश्रा ने हाफलाइन से गेंद लेकर एक तेज-तर्रार रन बनाया और फिर एक सटीक क्रॉस डाला, जिसे ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड ने छह गज की दूरी से हैडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

70वें मिनट में कप्तान जाओ विक्टर के बेहतरीन गोल से हैदराबाद 2-1 से आगे हो गई। आशीष राय से पास लेने के बाद ब्राजीली डिफेंसिव मिडफील्डर ने बॉक्स के ठीक बाहर से करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गोल किया, जबकि ओडिशा के गोलकीपर अर्शदीप सिंह अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाने के बावजूद गेंद से दूर रह गए। 73वें मिनट में आकाश मिश्रा ने दमदार हैडर लगाकर निजाम्स की बढ़त को 3-1 कर दिया। दाहिने फ्लैंक पर मिली एक फ्री-किक पर मोहम्मद यासिर ने नपा-तुला गेंद बॉक्स के अंदर डाला, जिसे आकाश ने हैडर से सटीक हैडर लगाकर गोलपोस्ट की दिशा दिखा दी। उन्हें इस गोल में असिस्ट किया साथी फॉरवर्ड रेडीम त्लांग ने। 84वें मिनट में ब्राजीली फॉरवर्ड जोनाथस क्रिस्टियान के गोल से ओडिशा ने अंतर कुछ कम करके स्कोर 2-3 कर दिया।

दोनों टीमों के बीच यह मैच भी हाई स्कोरिंग रहा और परिणाम भी निजाम्स के पक्ष में रहा। पिछली बार सीजन के पहले चरण में जब ये दोनों टीमें आपस में भिड़ी थीं, तब निजाम्स ने ओडिशा को 6-1 से रौंदा था।

अफगानिस्तान ने श्रीलंका को हराया

अंडर 19 विश्व कप सेमीफाइनल में सामना इंग्लैंड से

कूलिज (एंटीगा)। अफगानिस्तान ने श्रीलंका को चार रन से हराकर अंडर 19 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना इंग्लैंड से होगा।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई अफगानिस्तान टीम 134 रन पर आउट हो गई। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने हालांकि शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत की इबारत लिखी और श्रीलंका को 46 ओवर में 130 रन पर आउट कर दिया।

श्रीलंका के कप्तान दुनिथ वेल्लालागे ने 61 गेंद में 34 रन बनाये और लग रहा था कि वे टीम को जीत तक ले जायेंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

अब सेमीफाइनल में एक फरवरी को अफगानिस्तान का सामना इंग्लैंड से होगा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों नांगेयालिया खरोटे और बिलाल सैयदी ने अच्छी शुरूआत की लेकिन ट्राविन मैथ्यू ने सैयदी को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ओवर में खरोटे भी अपना विकेट गंवा बैठे। अब्दुल हादी ने 37 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की कोशिश की।

श्रीलंका के विंजुआ रंपुल ने सिर्फ दस रन देकर पांच विकेट लिये।

श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज सादिशा राजपक्षे आउट हो गए। उसके बाद शेवोन डेनियल को भी दो के स्कोर पर बिलाल सामी ने बोल्ड कर दिया।

शीर्ष और मध्यक्रम की नाकामी के बाद कप्तान वेल्लालागे और राविन डिसिल्वा ने आठवें विकेट के लिये अच्छी साझेदारी की और स्कोर 43 रन से 112 रन तक ले गए।

ऐसे में खरोटे ने वेल्लालागे का अहम विकेट लिया जबकि नावेद ने डिसिल्वा को आउट किया। श्रीलंका के चार बल्लेबाज रन आउट हुए जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा।

बीबीएल : मैक्सवेल ने मेलबर्न स्टार्स के साथ चार साल के लिए किया करार

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के स्पेशलिस्ट और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने शुक्रवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) की टीम मेलबर्न स्टार्स के साथ चार साल का करार किया है। इस करार के बाद 33 वर्षीय मैक्सवेल बीबीएल-15 के अंत तक मेलबर्न स्टार्स के साथ बने रहेंगे।

इस नए करार के बाद मैक्सवेल ने कहा कि वह क्लब के साथ फिर से जुड़ने को लेकर रोमांचित हैं। मैक्सवेल ने कहा मैं एक और चार सीजन के लिए स्टार्स के साथ प्रतिबद्ध होने के लिए रोमांचित हूं। मैं स्टार्स में एक बीबीएल खिताब जीतना चाहता हूं और मेरा मानना है कि हमारे पास अच्छी टीम है। मेलबर्न स्टार्स एक दशक से मेरे जीवन का हिस्सा रहा हैं और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हम बीबीएल-12 और उससे आगे क्या हासिल कर सकते हैं।

मैक्सवेल बीबीएल में एक मार्की खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 2012/13 में अपने डेब्यू के बाद से प्रतियोगिता के हर सत्र में भाग लिया है। मैक्सवेल बिग बैश लीग (बीबीएल) में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और इस साल बीबीएल-11 के अंतिम दौर में उन्होंने सिर्फ 64 गेंदों (सिर्फ 41 गेंदों में 100 रन) से नाबाद 154 रनों की रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली थी।

मैक्सवेल पिछले चार सीजन से स्टार्स की कप्तानी कर रहे हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स (पुराना नाम-किंग्स इलेवन पंजाब) की कप्तानी कर चुके हैं।